लखनऊ

मंगलवार, 7 जुलाई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 309

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

जो कोई भी अपने जीवन में एक बच्चे की मदद करने के लिए कुछ भी करता है वह मेरे लिए एक नायक है। – फ्रेड रोजर्स

TODAY WEATHER

DAY	NIGHT
41°	29°
Hi	Low

संक्षेप

विदेशी मांग से चमका पोलाची का नारियल व्यापार, लेकिन ढुलाई लागत बनी चिंता

कोयंबटूर। तमिलनाडु के सबसे बड़े नारियल उत्पादन क्षेत्र पोलाची से नारियल के निर्यात में फिर से तेजी आने के संकेत मिल रहे हैं। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने और खाड़ी देशों से मांग दोबारा बढ़ने से किसानों और निर्यातकों को बड़ी राहत मिली है। पिछले कई महीनों से कारोबार प्रभावित था, लेकिन अब स्थिति में सुधार दिखाई दे रहा है। खाड़ी देशों के प्रमुख बाजारों से नारियल निर्यात के लिए नई पूछताछ आने लगी है। इससे विदेशी व्यापार फिर से पटरी पर लौट रहा है, जो पश्चिम एशिया में संघर्ष के दौरान लगभग पूरी तरह ठप हो गया था। पोलाची से बड़ी मात्रा में नारियल खाड़ी देशों में निर्यात किया जाता है। लेकिन पिछले तीन महीनों में निर्यात में भारी गिरावट आई, जिससे व्यापारियों और किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ा। हालांकि, नारियल का निर्यात फिर से शुरू हो गया है, लेकिन इस क्षेत्र के सामने अभी भी कई चुनौतियां हैं। संघर्ष के दौरान माल ढुलाई का किराया काफी बढ़ गया था। अब इसमें कुछ कमी आई है, लेकिन यह अभी भी सामान्य से काफी ज्यादा है। शिपिंग का खर्च बढ़ने और माल की ढुलाई में देरी होने से निर्यातकों को भारी नुकसान हुआ। कई खेपें अपनी मंजिल तक पहुंचने से पहले ही खराब हो गईं। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को उम्मीद है कि मांग बढ़ने के साथ आने वाले हफ्तों में नारियल का निर्यात धीरे-धीरे पहले की तरह सामान्य हो जाएगा। इस रुकावट से पहले पोलाची के निर्यातक कोच्चि बंदरगाह के जरिए हर दिन नारियल से भरे कई कंटेनर खाड़ी देशों में भेजते थे। लेकिन पिछले करीब तीन महीनों तक बंदरगाह से निर्यात का काम लगभग ठप रहा।

भारतीय नौसेना की नई रणनीति, 24 घंटे हवाई निगरानी करेंगे स्वदेशी ड्रोन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय नौसेना ने अपने नौसैनिक अड्डों और अन्य संवेदनशील ठिकानों की सुरक्षा मजबूत करने के लिए स्वदेशी मल्टी-कॉप्टर निगरानी ड्रोन खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। रक्षा मंत्रालय की ओर से इस बाबत रिक्वेस्ट फॉर इंफॉर्मेशन (RFI) जारी की है। यह पहली बार है जब भारतीय नौसेना जमीन पर अपने ठिकानों की सुरक्षा के लिए विशेष निगरानी ड्रोन शामिल करने जा रही है। यह खरीद 'बाय (इंडियन-IDDM)' श्रेणी के तहत होगी, जिसमें कम से कम 50 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का उपयोग अनिवार्य होगा। RFI के अनुसार, ड्रोन में अत्याधुनिक इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल और इंफ्रारेड (EO/IR) कैमरा होगा, जो दिन और रात दोनों समय निगरानी करने में सक्षम होगा। यह कैमरा 360 डिग्री तक निगरानी कर सकेगा और एक साथ 30 से अधिक लक्ष्यों पर नजर रख सकेगा। ड्रोन को हर मौसम में काम करने लायक बनाया जाएगा। इसकी उड़ान क्षमता 2,000 फीट तक होगी, यह कम से कम 40 नॉट की गति से उड़ सकेगा, 20 किलोमीटर के दायरे में निगरानी करेगा और एक बार में कम से कम दो घंटे तक उड़ान भर सकेगा। इसके अलावा ड्रोन में एंटी-जैमिंग तकनीक, स्वचालित टेक-ऑफ और लैंडिंग, संपर्क टूटने या बैटरी कम होने पर खुद सुरक्षित लौटने जैसी सुविधाएं भी होंगी।

'भारत टैक्सी की तर्ज पर शुरू होगी नई सहकारी जीवन बीमा कंपनी'

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि देश में कॉपरेटिव सेक्टर की ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए एक सहकारी जीवन बीमा कंपनी स्थापित की जाएगी। राष्ट्रीय राजधानी में सहकारिता मंत्रालय के पांचवें स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में शाह ने कहा कि मंत्रालय की स्थापना से भारत के सहकारी आंदोलन को नई ऊर्जा मिली है, जिसे कांग्रेस शासन के दौरान उपेक्षित आंदोलन बनाया गया था। सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत टैक्सी अच्छा प्रदर्शन कर रही है और अगले दो सालों में इसका विस्तार 500 शहरों तक किया जाएगा। शाह ने कहा, " भारत टैक्सी की तर्ज पर हम सहकारी क्षेत्र में एक जीवन बीमा कंपनी स्थापित करेंगे। इससे बीमा क्षेत्र में सहकारी संस्थाओं के विकास में मदद मिलेगी।" शाह ने विश्वास जताया कि सहकारी क्षेत्र वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। केंद्रीय मंत्रालय पर राज्यों के कार्यक्षेत्र में हस्तक्षेप करने की आशंका जताए जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस शासित राज्यों ने भी यह शिकायत नहीं की कि केंद्रीय मंत्रालय ने उनके अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप किया है।

NDA सरकार ने सहकारी और डेयरी क्षेत्र को किया मजबूत

मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकारों ने हमेशा गरीबों के हित में सर्वांगीण विकास के लिए काम किया है। केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कांग्रेस पर सहकारी तंत्र को नष्ट करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उस समय इस क्षेत्र पर माफिया का शासन था। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर राजग सरकार ने सहकारी क्षेत्र को मजबूत किया है। सिंह ने कहा कि डेयरी क्षेत्र को अधिक संगठित बनाने के लिए डेयरी सहकारी व्यवस्था का विस्तार किया जा रहा है। डेयरी क्षेत्र का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा अब भी असंगठित है।

भारत में 8.5 लाख सहकारी संस्थाएं

उन्होंने बताया कि उर्वरक क्षेत्र की सहकारी संस्था इफको पहले से ही एक जापानी कंपनी के साथ संयुक्त उद्यम के माध्यम से बीमा कारोबार में है। भारत में लगभग 8.15 लाख सहकारी संस्थाएं हैं, जिनके 30 करोड़ से अधिक सदस्य हैं। मंत्री ने पिछले पांच सालों में मंत्रालय की ओर से उठाए गए कदमों का जिक्र किया, जिनमें कॉपरेटिव सिस्टम में पारदर्शिता और पेशेवर व्यवस्था लाने की कोशिश शामिल हैं।

बनाया जा रहा सहकारी विश्वविद्यालय

उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने सहकारी क्षेत्र का एक डेटाबेस तैयार किया है, जिससे देश में सहकारी संस्थाओं के विस्तार में मदद मिलेगी। शाह ने कहा कि गुजरात के आणंद में क्षमता निर्माण के लिए त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है, जो मानव संसाधन की समस्या से निपटेगा। मंत्री ने कहा कि सहकारी संस्थाओं का विस्तार कई क्षेत्रों में हुआ है और वे अब केवल डेयरी, चीनी और उर्वरक कारोबार तक सीमित नहीं हैं।

राज्यों के अधिकारों में हस्तक्षेप नहीं करता केंद्र

शाह ने विश्वास जताया कि सहकारी क्षेत्र वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। केंद्रीय मंत्रालय पर राज्यों के कार्यक्षेत्र में हस्तक्षेप करने की आशंका जताए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले पांच सालों में कांग्रेस शासित राज्यों ने भी यह शिकायत नहीं की कि केंद्रीय मंत्रालय ने उनके अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप किया है। शाह ने कहा, " केंद्रीय मंत्रालय का उद्देश्य राज्यों के विषयों में हस्तक्षेप करना नहीं है। इसका उद्देश्य नीतियां बनाना है।"

बॉयफ्रेंड को घर बुलाया और फिर कुल्हाड़ी से काट डाली गर्दन, हाथ-पैर और मुंह भी बांधा

फरीदकोट। पंजाब के फरीदकोट जिले में 26 वर्षीय युवक की कथित तौर पर घर बुलाकर बेरहमी से हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मृतक के परिजनों की शिकायत के आधार पर एक महिला, उसके पति, पिता और भाई के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान धारा सिंह कॉलोनी निवासी अर्शदीप सिंह (26) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से गांव हसनभट्टी का रहने वाला था। अर्शदीप शादीशुदा था।

मृतक के पिता हरनेक सिंह, जो पंजाब पुलिस की कमांडो बटालियन में हेड कांस्टेबल हैं और वर्तमान में चंडीगढ़ में तैनात हैं, ने आरोप लगाया कि गांव पिपली की रहने वाली विवाहित महिला हरप्रीत कौर ने अर्शदीप को मिलने के लिए अपने घर बुलाया था। उनका आरोप है कि वहां महिला ने अपने पति, पिता और भाई के साथ मिलकर पहले अर्शदीप के हाथ-पैर और मुंह बांध दिए, फिर तेजधार हथियार (कुल्हाड़ी) से हमला कर उसकी हत्या कर दी।

संबंध बनाने का दबाव बनाने का आरोप

हरनेक सिंह के अनुसार, अर्शदीप ने कुछ समय पहले उन्हें बताया था कि हरप्रीत कौर उस पर संबंध बनाए रखने का दबाव बना रही थी। इस पर उन्होंने बेटे से कहा था कि जरूरत पड़ने पर पंचायत के साथ महिला के मायके जाकर बात करेंगे। उन्होंने बताया कि रविवार को अर्शदीप घर से लापता हो गया। काफी तलाश के बाद संदेह होने पर वे गांव पिपली पहुंचे, जहां हरप्रीत कौर के घर से अर्शदीप का शव बरामद हुआ।

परिजनों का कहना है कि शव मिलने के समय अर्शदीप के हाथ-पैर और मुंह बंधे हुए थे तथा उसके शरीर पर तेजधार हथियार से किए गए हमले के निशान थे। हरनेक सिंह ने हरप्रीत कौर, उसके पति सिमरजीत सिंह, पिता चमकौर सिंह उर्फ कौर सिंह और भाई सतनाम सिंह पर हत्या का आरोप लगाया है। थाना सदर के एसएचओ इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक को घर बुलाया गया था, जहां उसकी हत्या की गई। घटनास्थल से फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

किश्तवाड़ में भारी बारिश से भूस्खलन, क्वार पावर प्रोजेक्ट के पास लैंडस्लाइड से मलबे में दबी कई गाड़ियां

किश्तवाड़। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच 540 मेगावाट के क्वार पावर प्रोजेक्ट के नजदीक बड़ा भूस्खलन (लैंडस्लाइड) हुआ। पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा गिरने के कारण वहां खड़ी कई गाड़ियां उसकी चपेट में आ गईं और मलबे के नीचे दब गईं।

भूस्खलन के चलते कई वाहनों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद प्रशासन और संबंधित एजेंसियों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। मलबा हटाने के लिए मशीनें लगाई गई हैं और दबे हुए वाहनों को सुरक्षित निकालने का प्रयास जारी है। मौसम विभाग की चेतावनी के मद्देनजर प्रशासन ने किश्तवाड़ और आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है।

किश्तवाड़ में भारी बारिश से भूस्खलन, क्वार पावर प्रोजेक्ट के पास लैंडस्लाइड से मलबे में दबी कई गाड़ियां

किश्तवाड़, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच 540 मेगावाट के क्वार पावर प्रोजेक्ट के नजदीक बड़ा भूस्खलन (लैंडस्लाइड) हुआ। पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा गिरने के कारण वहां खड़ी कई गाड़ियां उसकी चपेट में आ गईं और मलबे के नीचे दब गईं।

भूस्खलन के चलते कई वाहनों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद प्रशासन और संबंधित एजेंसियों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। मलबा हटाने के लिए मशीनें लगाई गई हैं और दबे हुए वाहनों को सुरक्षित निकालने का प्रयास जारी है।

प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

मौसम विभाग की चेतावनी के मद्देनजर प्रशासन ने किश्तवाड़ और आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है।

प्रशासन ने लोगों को अनावश्यक यात्रा से बचने, संवेदनशील इलाकों में जाने से परहेज करने और जारी सुरक्षा एडवाइजरी का पालन करने की सलाह दी है। अधिकारियों ने कहा कि खराब मौसम के दौरान प्रशासन के निर्देशों का पालन करना सभी की सुरक्षा के लिए जरूरी है।

कोलकाता पुलिस ने ममता बनर्जी को किया 'नजरबंद'? टीएमसी का दावा- घर के बाहर भारी फोर्स तैनात

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने कहा है कि कोलकाता के पास बारुईपुर में कथित तौर पर रेप और हत्या की शिकार हुई 12 साल की लड़की के परिवार से मिलने से रोकने के लिए, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और सांसद अभिषेक बनर्जी के घरों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया और बैरिकेड लगाए गए। टीएमसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उनके घरों के बाहर भारी पुलिस तैनाती और रूट मार्च संदिग्ध तरीके से किए जा रहे थे। टीएमसी नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के घरों के बाहर की सड़क से चौंकाने वाली तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने सवाल उठाया कि लोगों की आवाजाही पर रोक लगाने और उन्हें घरों में ही सीमित रखने के लिए केंद्रीय बलों को क्यों तैनात किया जा रहा है। उन्होंने एक्स पर लिखा, अभी रूट मार्च हो रहा है। ज़बरदस्ती घर में कैद किया जा रहा है!

पुलिस ने बताया कि कथित रेप और हत्या के मामले में दो लोगों को गिरफ़्तार किया गया है और तीन लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। साथ ही, कोलकाता के बाहरी इलाकों के कुछ हिस्सों में बड़ी भीड़ जमा होने पर रोक लगाने वाले आदेश लागू कर दिए गए हैं। रविवार को एक व्यक्ति की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या (लिंचिंग) कर दी गई; उस पर इस घटना में शामिल होने का शक था, जिससे लोगों में भारी आक्रोश फैल गया था। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमने दो लोगों को गिरफ़्तार किया है। तीन और लोगों से पूछताछ की जा रही है।

भूस्खलन से दबे कई घर, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे ठप, अब तक 13 लोगों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन ने सोमवार को कहा कि पिछले तीन-चार दिनों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो गई है, क्योंकि मुंबई और आस-पास के ज़िलों में रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई है। भारी बारिश की वजह से आम जनजीवन पर असर पड़ने के कारण महाराष्ट्र विधान परिषद की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (SDMA) ने मुंबई में प्राइवेट ऑफ़िस को सलाह दी कि वे कर्मचारियों को जहाँ भी संभव हो, घर से काम करने की इजाज़त दें। साथ ही, गैर-ज़रूरी सरकारी और अर्ध-सरकारी ऑफ़िस के लिए आधे दिन की छुट्टी की घोषणा की। यह सलाह भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) द्वारा मुंबई के लिए जारी किए गए रेड

अलर्ट के बाद दी गई है। IMD ने मुंबई, ठाणे और रायगढ़ में बहुत भारी बारिश और 80-90 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज़ हवाएँ चलने का अनुमान लगाया है। आईएमडी ने निचले इलाकों में बाढ़, अचानक बाढ़ (flash floods), जल-जमाव, पेड़ों के उखड़ने, कमज़ोर ढांचों को नुकसान और भूस्खलन के खतरे की चेतावनी दी है। साथ ही, लोगों से गैर-ज़रूरी यात्रा से बचने और आधिकारिक सलाह का पालन करने का आग्रह किया है। महाराष्ट्र में मॉनसून का कहर और बढ़ गया; पुणे में भूस्खलन से एक घर मलबे में दब गया, जबकि लगातार हो रही बारिश ने मुंबई और पुणे के बीच सड़क और रेल संपर्क को ठप कर दिया। और भारी बारिश के अनुमान को देखते हुए अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि सामान्य जनजीवन में बाधा बनी रह सकती है।

प. बंगाल की 3 राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान, 24 जुलाई को होगी वोटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों पर उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सुखेन्दु शेखर रॉय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बड़ाईक के इस्तीफे के बाद ये तीनों सीटें रिक्त हुई थीं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चुनाव आयोग ने इन सीटों के लिए 24 जुलाई को मतदान और मतगणना कराने का निर्णय लिया है। सभी प्रक्रियाएं इसी दिन पूरी की जाएंगी।

इन उपचुनावों को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के लिए राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। माना जा रहा है कि पार्टी इन सीटों पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखने की कोशिश करेगी,

जबकि विपक्ष भी चुनावी मुकाबले को रोचक बनाने की तैयारी में है।

अब सभी की नजर उम्मीदवारों के चयन और चुनावी रणनीति पर टिकी है, क्योंकि इन उपचुनावों के नतीजों का असर राज्य की राजनीतिक तस्वीर पर भी पड़ सकता है।

'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे' : कांग्रेस का वीएचपी पर पलटवार, कहा- चढ़ावे की चोरी से ध्यान भटकाने की हो रही कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने सोमवार को विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) पर हमला बोला। वीएचपी ने अयोध्या पुलिस को पत्र लिखकर उन विपक्षी नेताओं के बयानों की जांच करने की मांग की थी, जिन्होंने राम मंदिर में चढ़ावे (दान) की कथित चोरी का आरोप लगाया था। कांग्रेस ने कहा कि यह 'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे' जैसी बात है। पार्टी ने कहा कि वीएचपी सवालों से ध्यान हटाना चाहती है, ताकि उसके अपने नैतिक पतन की बात सामने न आए।

कांग्रेस की यह प्रतिक्रिया तब आई, जब वीएचपी ने अयोध्या पुलिस से कहा कि वह कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद

केजरीवाल समेत कई विपक्षी नेताओं के आरोपों की जांच करे। वीएचपी ने कहा कि इन नेताओं को बुलाकर अपने आरोपों के समर्थन सबूत देने के लिए कहा जाए। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि राम मंदिर में कथित चोरी के मामले में विपक्षी नेताओं पर हमला करने वाला वीएचपी का पत्र 'चोरी ऊपर से सीनाजोरी' का उदाहरण है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि यही वीएचपी पहले निर्मोही अखाड़ा की ओर से लगाए गए 1,400 करोड़ रुपये के कथित राम मंदिर घोटाले के आरोपों का सामना कर चुका है। अब वही संगठन उन विपक्षी नेताओं से पूछताछ की मांग कर रहा है, जिन्होंने कथित लूट पर सवाल उठाए हैं। वेणुगोपाल ने कहा कि वीएचपी की यह मांग जितनी बेबुनियाद है, उतनी ही शर्मनाक भी है। उन्होंने कहा कि जब खुद वीएचपी पर सवाल उठ चुके हैं, तो उसके पास विपक्ष पर उंगली उठाने का न तो नैतिक अधिकार है और न ही भरोसेमंद छवि। उन्होंने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट का गठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, वीएचपी के उपाध्यक्ष और आरएसएस के प्रचारक हैं।

आफत बनकर बरसेंगे बादल, मौसम विभाग का कई राज्यों के लिए रेड-ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में मानसून अब पूरी तरह सक्रिय हो गया है और कई राज्यों में अगले 24 से 72 घंटे बेहद भारी पड़ सकते हैं। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने गुजरात, तटीय महाराष्ट्र, तटीय कर्नाटक और छत्तीसगढ़ के लिए रेड अलर्ट, जबकि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार कुछ इलाकों में 21 से 50 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है, जबकि अगले तीन दिनों में मानसून के पूरे देश में फैलने की संभावना है।

IMD के वैज्ञानिक डॉ. शशि कांत ने सोमवार को बताया कि देश के पश्चिमी तट, जिसमें गुजरात, सौराष्ट्र, तटीय महाराष्ट्र, तटीय कर्नाटक और केरल शामिल हैं, वहां आज पूरे क्षेत्र में

बहुत भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। गुजरात, तटीय महाराष्ट्र और तटीय कर्नाटक के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। इन राज्यों में कुछ स्थानों पर 21 सेंटीमीटर से अधिक बारिश दर्ज हो सकती है।

मुंबई में कितनी दर्ज हुई बारिश?

मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में पिछले 24 घंटों के दौरान 20 सेंटीमीटर से अधिक अत्यधिक भारी बारिश रिकॉर्ड की गई है। मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों, जिनमें पुणे, महाबलेश्वर और आसपास के इलाके शामिल हैं, वहां भी अत्यधिक भारी बारिश हुई है। महाबलेश्वर में एक-दो स्थानों पर 40 से 50 सेंटीमीटर तक बारिश दर्ज की गई। चिंता का दूसरा बड़ा क्षेत्र छत्तीसगढ़ और उससे लगे इलाके हैं। दक्षिणी झारखंड और आसपास के क्षेत्रों में बने डिप्रेशन (कम दबाव के क्षेत्र) के कारण छत्तीसगढ़ के लिए भी रेड अलर्ट जारी किया गया है, जहां अत्यधिक भारी बारिश की आशंका है।

अगले 24 घंटे किन राज्यों के लिए भारी?

आज पूर्वी मध्य प्रदेश और दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश, जिनमें वाराणसी और प्रयागराज जैसे क्षेत्र शामिल हैं, वहां भी अच्छी बारिश होने की संभावना है। वहीं, पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में भी आज बहुत भारी बारिश हो सकती है। कुल मिलाकर मध्य भारत में मानसून पूरी तरह सक्रिय है और अगले 24 घंटों के दौरान गुजरात से ओडिशा तक व्यापक और अच्छी बारिश होने की संभावना है।

सीएम योगी के आगमन को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद, तैयारियों को दिया गया अंतिम रूप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आज प्रस्तावित सुल्तानपुर दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सफल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस विभाग ने पूरी कार्यकुशलता के साथ व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया है।

मुख्यमंत्री पुलिस लाइन ग्राउंड में हेलीकॉप्टर से पहुंचने के बाद अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे और फिर सर्कस ग्राउंड में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी को देखते हुए बैठने, सुरक्षा, यातायात और पेयजल सहित सभी आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। कार्यक्रम स्थल पर 24×24 फीट का मुख्य मंच तैयार किया गया है तथा मंच के सामने सुरक्षा मानकों के अनुरूप पर्याप्त सुरक्षित क्षेत्र बनाया गया है। आमजन के लिए तीन बड़े ब्लॉकों में तीन हजार से अधिक कुर्सियां लगाई गई हैं। विभिन्न विभागों की योजनाओं को प्रदर्शित करने के लिए छह खंडों में 12 स्टॉल भी तैयार किए गए हैं। गर्मी से राहत दिलाने के उद्देश्य से कार्यक्रम स्थल पर 60 कूलर, 80 पंखे और मुख्यमंत्री के मंच के निकट उच्च क्षमता वाले एयर कंडीशनर लगाए गए हैं। सुरक्षा की दृष्टि से अतिरिक्त इंतजाम करते हुए चार सेफ हाउस भी बनाए गए हैं।

पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की है। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए 11 रूट निर्धारित किए गए हैं तथा विभिन्न स्थानों पर पार्किंग की समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला प्रशासन के अनुसार जनसभा में लगभग 10 हजार लोगों के पहुंचने की संभावना है। कार्यक्रम से पूर्व अधिकारियों ने सभी व्यवस्थाओं का अंतिम निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। प्रशासन का कहना है कि मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हर स्तर पर पूरी सतर्कता बरती जा रही है।

अखिलेश यादव पर करारा हमला : पहले खुद दर्शन करिए, फिर ज्ञान दीजिए – मंत्री मनोज पांडेय

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। एकदिवसीय दौरे पर पहुंचे योगी सरकार के मंत्री मनोज पांडेय ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए कहा कि दूसरों को नसीहत देने से पहले व्यक्ति को खुद उसका पालन करना चाहिए। उन्होंने सवाल दागा कि जो लोग मंदिर जाने पर ज्ञान बांट रहे हैं, वे खुद आज तक अयोध्या में रामलला के दर्शन करने क्यों नहीं पहुंचे?

अमहट चौराहे पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंत्री का जोरदार स्वागत किया। मीडिया से बातचीत में उन्होंने अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि यह वैसा ही है जैसे कोई शिक्षक खुद सिगरेट पीते हुए दूसरों को सिगरेट छोड़ने का उपदेश दे। मंत्री यहीं नहीं रुके उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का इतिहास रामभक्तों पर गोली चलवाने वालों, रामचरितमानस का अपमान करने वालों और सनातन पर सवाल उठाने वालों के साथ खड़े होने का रहा है। कारसेवकों पर हुई गोलीबारी का जिक्र करते हुए उन्होंने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। मनोज पांडेय ने दावा किया कि सनातन और देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पूरी तरह सुरक्षित हाथों में हैं। ऐसे लोगों के ज्ञान की देश को कोई जरूरत नहीं है।

विकास कार्यों पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए अभियान चला रही है। राशन कार्ड से वंचित लोगों के कार्ड बनाए जाएंगे और जिन ग्राम पंचायतों में अन्नपूर्णा भवन नहीं बने हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर निर्माण कराया जायेगा।

किसान एसोसिएशन ने रिपोस्टिंग खेल की खोली पोल

» ग्राम पंचायत अधिकारीका ट्रांसफर रुकते ही जिलाध्यक्ष ने सीडीओ से की शिकायत!

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। किसान एसोसिएशन ने ग्राम विकास अधिकारी की रिपोस्टिंग की सूचना पर हरकत में आ गयी है।संगठन के जिलाध्यक्ष सूर्यनाथ सिंह ने मुख्य विकास अधिकारी को शिकायती पत्र देकर ट्रांसफर नीति का भंडाफोड़ कर मामले की पोल खोल दी है। पत्र में कहा गया है कि ग्राम पंचायत अधिकारी प्रकाश मिश्र का कूरेभार विकास खण्ड में प्रस्तावित रिपोस्टिंग पर पर लगाते हुए ब्लॉक से अन्यत्र ट्रांसफर किया जाए।

जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा को पंचायती राज विभाग में प्रकाश मिश्र ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर कार्यरत है। प्रकाश मिश्र ने अपनी कुल सेवा अवधि का 90: से अधिक समय लगभग 12 वर्षों से अधिक का समय विकास खण्ड कूरेभार में कार्यरत रहे है। वर्तमान तबादला सत्र में श्री मिश्र का स्थानान्तरण वि०ख० कूरेभार से विकास खण्ड जयसिंहपुर में किया गया है। किसान एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष ने कहा है कि उनके विश्वस्त सूत्रों के अनुसार स्थानान्तरित ग्रा०पं०अ० प्रकाश मिश्र को पुनः कूरेभार विकास खण्ड में रिपोस्टिंग पर स्थानान्तरित करने की तैयारी है जो कि स्थानान्तरण नीति का खुला उलंघन है। साथ ही मानवीय दृष्टिकोण के पूरी तरह विपरीत है एवं सरकार की मंशा के प्रतिकूल है। मुख्य विकास अधिकारी से कहा गया है कि उक्त प्रकरण को व्यक्तिगत रुप से संज्ञान में लेते हुए प्रकाश मिश्र ग्राम पंचायत अधिकारी की कूरेभार विकास खण्ड में रिपोस्टिंग रोकने हेतु समुचित निर्देश पारित करने की कृपा करें।

पति के बाजार जाने से मना करने पर पत्नी ने दो बच्चों संग कीटनाशक निगला, ढाई साल की बच्ची की मौत

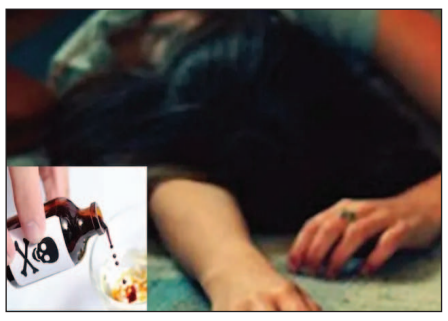

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। बाजार जाने की जिद को लेकर पत्नी का पति से विवाद हुआ। पति के मना करने पर पत्नी ने घर में रखे कीटनाशक को पहले अपने दोनों बच्चों को पिलाया उसके बाद खुद निगल लिया। इस घटना में ढाई साल की बच्ची की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि एक दस माह की बच्ची व मां को मेरठ के निजी हास्पिटल में भर्ती कराया गया है।

गुलावठी के बरमदपुर गांव में रविवार दोपहर करीब तीन बजे हरेंद्र का अपनी 23 वर्षीय पत्नी सोनिका के बीच कहासुनी हुई। सोनिका ने अपने पति हरेंद्र से गुलावठी के बाजार चलने को कहा, लेकिन पति हरेंद्र ने कहा कि पहले मैं अपना काम निपटा लूं, बाद में चलेंगे। पत्नी बाजार जाने की जिद पर अड़ी रही। इस बात को लेकर पति पत्नी के बीच काफी झगड़ा भी हुआ।

हरेंद्र ज्वार के खेत में कीटनाशक का छिड़काव करने चला गया। इस बीच गुस्से में सोनिका ने अपने दोनों बच्चों को घर में रखी कीटनाशक पिला दी। उसके बाद खुद भी कीटनाशक का सेवन कर लिया। पत्नी व बच्चों की हालत बिगड़ने के बाद स्वजन व ग्रामीण उन्हें गुलावठी के निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे। चिकित्सक ने उनकी हालत गंभीर देख मेरठ के लिए रेफर कर दिया।

दोनों बच्चों व महिला को मेरठ के संतोष हास्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां ढाई वर्ष की हर्षी ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं 10 माह की डोली व सोनिका का उपचार चल रहा है। बच्ची व मां की हालत में सुधार बताया जा रहा है। घटना की सूचना पर मंडी चौकी प्रभारी उपेंद्र यादव ने भी गांव पहुंच घटना की जानकारी ली।

उन्होंने बताया कि घटना में ढाई साल की हर्षी की उपचार के दौरान मौत हो चुकी है, जिसका मेरठ पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। जबकि 10 माह की डोली व महिला सोनिका की हालत में सुधार बताया गया है। पति हरेंद्र गौतमबुद्धनगर जिले के कासना में स्थित एक फैक्ट्री में काम करता है। उसने चार साल पहले सोनिका से लव मैरिज की थी। अभी इस मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील मवाना में संपन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

मेरठ। तहसील मवाना में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी डा0 वी0के0 सिंह ने तहसील दिवस में अधिकारियो को प्राप्त शिकायतों का समय सीमा के अंदर गुणवत्तापरक निस्तारण करने के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में 150 शिकायती/प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये जिसमें से 14 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया तथा शेष के समय सीमा के अन्तर्गत निस्तारण के आदेश संबंधित अधिकारियों को दिये गये। तहसील मवाना में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस पर जिलाधिकारी डा0 वी0के0 सिंह ने कहा कि आमजन की शिकायतों का निस्तारण प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में है। सभी अधिकारी प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित करें।

प्रज्ञा सिंह का भारतीय वायुसेना में चयन, क्षेत्र में खुशी की लहर

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के हलियापुर निवासी अधिवक्ता संजय सिंह की पुत्री प्रज्ञा सिंह का भारतीय वायुसेना (एयर फोर्स) में चयन होने पर पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

प्रज्ञा सिंह की सफलता पर क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। लोगों ने इसे न केवल परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र और जनपद के लिए गौरव का विषय बताया। उनकी मेहनत, लगन और समर्पण को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेगी। परिवार में जश्न का माहौल है और शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा हुआ है। क्षेत्र के लोगों ने विश्वास जताया कि प्रज्ञा सिंह भारतीय वायुसेना में अपनी सेवाओं से देश का नाम रोशन करेंगी।

कांग्रेसियों ने पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की पुण्यतिथि मनाई

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में सोमवार को भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी बाबू जगजीवन राम की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण किया। कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा, शहर अध्यक्ष सहित पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बाबू जगजीवन राम के सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति योगदान को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद मिश्रा ने कहा कि बाबू जगजीवन राम भारतीय राजनीति और कांग्रेस के सबसे वरिष्ठ एवं प्रभावशाली नेताओं में से एक थे। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया और लंबे समय तक पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का हिस्सा रहे। वे कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य रहे तथा केंद्र में कांग्रेस सरकारों में श्रम, संचार, रेल, खाद्य एवं कृषि तथा रक्षा जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों का नेतृत्व किया। उनका संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना के लिए समर्पित रहा।

कानपुर पुलिस को देख सरगना की पत्नी ने अंगीठी में जला दीं फर्जी डिग्रियां, घर से मिले कई अहम दस्तावेज

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। फर्जी मार्कशीट-डिग्रियां बनवाकर बेचने वाले नेटवर्क से जुड़े तीसरे गिरोह के सरगना और 25 हजार के इनामी अखिलेश शुक्ला के उन्नाव के आदर्श नगर स्थित घर पर रविवार सुबह कानपुर पुलिस ने दबिश दी।

ये देख सरगना की पत्नी ने अंगीठी में कई मार्कशीटें व डिग्रियां जला डालीं। हालांकि पुलिस ने उसके तीन मंजिला मकान से जेएस यूनिवर्सिटी शिकोहाबाद और महाराजा अग्रसेन हिमालयन यूनिवर्सिटी गढ़वाल की तीन-तीन मार्कशीटें और कूरियर सर्विसेज के लिए 250 लिफाफे, डीटीडीसी कूरियर के 21, ट्रैकआन कंपनी की 221 पार्सल स्लिप बरामद कीं।

पुलिस पत्नी से सरगना अखिलेश के संभावित ठिकानों की जानकारी जुटा रही है। वहीं इस गिरोह के दो आरोपितों को पुलिस शुक्रवार

को जेल भेज चुकी है।

17 फरवरी को पुलिस ने साकेत नगर से फर्जी मार्कशीट बनाने वाले गिरोह के चार आरोपितों को पकड़ा था। उसके पास से नौ राज्यों के 14 विश्वविद्यालयों व माध्यमिक शिक्षा परिषद की एक हजार से अधिक फर्जी मार्कशीट और डिग्रियां बरामद की थीं। इसकी जांच के लिए एसआइटी गठित हुई तो एक-एक कर छह और आरोपितों को दबोचा गया। पुलिस टीम ने इसी से जुड़े दूसरे गिरोह के चार सदस्यों को आठ जून की रात बेकनगंज के हीरामन का पुरवा से पकड़ा था। पुलिस इनके आगे के नेटवर्क का पता लगा रही थी। इस बीच फीलखाना थाना पुलिस के हाथ एक लिफाफा लगा, जिसमें कौशांबी के कुछ कालेज और विश्वविद्यालयों की फर्जी मार्कशीट व डिग्रियां थीं। ये लिफाफा बिजनौर से दिल्ली भेजा जाना था। जांच में पता चला कि ये मार्कशीट और डिग्रियां मूलरूप से इटावा के कटरा व हाल पता बर्रा-दो निवासी अमित सक्सेना और मूलरूप से जालौन के कदौरा बावनी स्टेट व हाल पता रावतपुर के विनायकपुर निवासी गोपालजी गुप्ता बनवाकर भेज रहे थे। पुलिस ने सर्विलांस की मदद से मोबाइल फोन नंबर ट्रेस कर दोनों को दबोच लिया। दोनों ने बताया कि गिरोह का सरगना उन्नाव कोतवाली क्षेत्र के आदर्श नगर निवासी अखिलेश शुक्ला और उसका भाई निखिलेश है। पुलिस ने रविवार को उनके घर दबिश दी तो दोनों घर पर नहीं मिले।

पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि अखिलेश डीपीएस फाउंडेशन व उत्कर्ष अकादमी नाम से कोचिंग चलाता है। उसके पांच खातों में वर्ष 2015 से अब तक 50 करोड़ का लेनदेन मिला है। अप्रैल में जेल से बाहर आने के बाद गोपालजी के खाते से उसके खाते में 90 लाख का लेनदेन मिला। वहीं पकड़ा गया अमित एमबीए कर चुका है। वह कंप्यूटर सेंटर चलाता है और वहां आने वाले छात्रों को बिना कालेज जाए पास मार्कशीट-डिग्रियां देने की बात कहकर जाल में फंसाता था। इसके लिए वह छह से 25 हजार रुपये तक लेता था। उसके तीन बैंक खातों में सात करोड़ से अधिक का लेनदेन मिला। वहीं, गोपालजी ने युवा एजुकेशन संस्थान, जेबी इंस्टीट्यूट एजुकेशन नाम से संस्था बना रखी थी, जिनके तीन खातों में करीब सात करोड़ का लेनदेन मिला। पुलिस ने दोनों को जेल भेजा था। वहीं, पुलिस टीम ने रविवार सुबह अखिलेश के घर दबिश दी लेकिन वह नहीं मिला। उसकी पत्नी ने अंगीठी में कुछ मार्कशीटें जलाई हैं। घर से कई सर्टिफिकेट और कूरियर कंपनी के लिफाफे और स्लिप बरामद हुई हैं। सरगना की तलाश में टीमें लगी हैं। जल्द उनकी भी गिरफ्तारी की जाएगी।

चौथे गिरोह की तलाश में लगी टीम, छह नंबरों का निकाला जा रहा सीडीआर

फर्जी मार्कशीट और डिग्री मामले में अब पुलिस के रडार पर चौथा गिरोह भी आ गया है जो दिल्ली से संचालित हो रहा है। इस गिरोह की तलाश में पुलिस अब गोपालजी गुप्ता, अमित सक्सेना, अखिलेश शुक्ला और उसके भाई निखिलेश समेत छह नंबरों का काल डिटेल रिकार्ड (सीडीआर) निकलवा रही है। चौथे गिरोह की तलाश में एक टीम दिल्ली रवाना हो गई है।

बुंदेलखंड में भाजपा के लिए अपने ही बने चुनौती: संगठन-जनप्रतिनिधियों के बीच खींचतान, शह और मात का चल रहे खेल

आर्यावर्त संवाददाता

महोबा। बुंदेलखंड में भाजपा के लिए उसके अपने ही चुनौती बन रहे हैं। कहीं संगठन व जनप्रतिनिधियों के बीच खींचतान सतह पर दिख रही तो कहीं शह-मात के खेल चल रहे हैं। जल जीवन मिशन की बदहाली सबसे बड़ा मुद्दा बन चुका है, जिसे लेकर जल शक्ति मंत्री व भाजपा विधायक में झड़प जगजाहिर है।

बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, जालौन से झांसी-ललितपुर तक इसकी बानगी दिख रही है। विपक्षी इसका फायदा उठाने के प्रयास में हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बुंदेलखंड के लिए अपना राजनीतिक एजेंडा सेट करना शुरू कर दिया है।

इसी साल 30 जनवरी को जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से जल जीवन मिशन की बदहाली को लेकर चरखारी से भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत की झड़प, फिर सड़क हादसे के बाद उनके पिता पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत की फेसबुक पर पोस्ट ने खींचतान की बात सामने ला दी। उन्होंने पेड़ों की कटान व अवैध खनन पर अपनी ही सरकार को घेरा। एक जुलाई को उन्होंने कहा था कि बिना राज्य बने बुंदेलखंड का विकास संभव नहीं है। इससे साफ है कि संगठन से सरकार तक कुछ तो गड़बड़ है।

चौपाल में भी जल जीवन मिशन के मुद्दे पर अफसरों से कहासुनी हुई

हमीरपुर सदर विधायक मनोज प्रजापति की गांव चौपाल में भी जल जीवन मिशन के मुद्दे पर अफसरों से कहासुनी हुई। बांदा में विधायकों के बीच अपनी-अपनी तान छिड़ी है तो चित्रकूट में पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल व पूर्व मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय के बीच गुटबंदी है। संगठन में पद नहीं पाने वाले टांग खिंचाई कर रहे हैं।

चार लोकसभा सीटों में से केवल झांसी जीत सकी भाजपा

इसी का नतीजा रहा कि 2024 में चार लोकसभा सीटों में से केवल झांसी में भाजपा जीती, जबकि तीन सीटें जालौन-गरौंठा, हमीरपुर-महोबा व बांदा-चित्रकूट सपा को मिलीं। इस खाई को पाटने के लिए पार्टी ने झांसी का क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाकर बुंदेलखंड को मान देने का संदेश दिया। 21 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महोबा व हमीरपुर में संबोधन में पूरे बुंदेलखंड को आगे रखा, लेकिन इस कार्यक्रम में विधायक बृजभूषण राजपूत का मंच पर नहीं होना चर्चा में रहा।

सीएम आठ व नौ जुलाई को आएंगे बांदा-चित्रकूट

अब आठ व नौ जुलाई को मुख्यमंत्री फिर बांदा-चित्रकूट के दौरे पर आ रहे हैं। इससे माना जा रहा है कि वह बुंदेलखंड की स्थितियों जानते हैं और चुनाव से पहले ही सब कील-कांटे दुरुस्त कर देना चाहते हैं। वहीं, विधायक बृजभूषण व मनोज प्रजापति कहते हैं कि जनता के लिए काम कर रहे हैं, कोई अंतर्कलह नहीं है।

भाजपा जिलाध्यक्ष मोहनलाल कुशवाहा ने कहा कि कोई गुटबंदी नहीं है। भाजपा की तैयारी पूरी है। इससे पहले सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक पर अमर्यादित टिप्पणी की थी, जबकि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी बुंदेलखंड के हर छोटे-बड़े मसले पर मुखर हैं।

भाजपा सरकार में कोई काम नहीं हुए है। जो पार्टी के लोग बोल रहे है बिल्कुल सही कह रहे हैं। इस सरकार में कोई काम नहीं हुए। ये तो होना ही है।

शोभालाल यादव, जिलाध्यक्ष सपा।

महादेव की कृपा से मैं हादसे में बाल-बाल बच गया। जनता ने मुझे चुना है। जनता की लड़ाई जारी रखी जाएगी। जल जीवन मिशन योजना के तहत हर गांव में जब तक नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं होती, आवाज उठाता रहूंगा, मैं पीछे हटने वाला नहीं हूं।

-बृजभूषण राजपूत, विधायक चरखारी।

गांवों का निरीक्षण कर लोगों से संपर्क किया जा रहा है। लोगों ने जल जीवन मिशन के तहत पानी न मिलने की समस्या बताई थी। अधिकारियों को सख्त हिदायत देकर समस्या का निराकरण कराने को कहा गया है।

-मनोज प्रजापति, विधायक हमीरपुर।

बुंदेलखंड अलग राज्य के बिना यहां का विकास संभव नहीं हैं। इसके लिए बुंदेलखंड के लोगों को एकत्र कर अब अलग राज्य की लड़ाई लड़ी जाएगी

- गंगाचरण राजपूत, पूर्व सांसद।

आस्था की पवित्रता के समर्थन में कांग्रेस आज निकालेगी सद्बुद्धि पद यात्रा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में मंगलवार को श्रीराम मंदिर अयोध्या धाम में चढ़ावे को लेकर सामने आए कथित अनियमितताओं और चोरी के आरोपों के विरोध में सद्बुद्धि पद यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा का नेतृत्व जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा करेंगे। इस अवसर पर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सहित पार्टी के पदाधिकारी, नेता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। पद यात्रा का शुभारंभ जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय से होगा। इसके बाद यात्रा लाल डिग्गी चौराहा, सुपर मार्केट, डाकखाना चौराहा, कलेक्ट्रेट के सामने से, तिकोनिया पार्क और दीवानी चौराहा होते हुए सीता कुंड घाट पर पहुंचकर पदयात्रा का समापन होगा। इस संबंध में जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का प्रतीक है, यदि मंदिर में चढ़ावे और दान से संबंधित भ्रष्टाचार अथवा अनियमितताओं के आरोप सामने आते हैं, तो उनकी निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की यह पद यात्रा धार्मिक आस्था के विरुद्ध नहीं, बल्कि आस्था की पवित्रता, पारदर्शिता और जवाबदेही के समर्थन में आयोजित की जा रही है। श्री राणा ने मांग की कि मंदिर में चढ़ावे से जुड़े सभी आरोपों की स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कराई जाए। यदि जांच में कोई भी व्यक्ति दोषी पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि करोड़ों श्रद्धालुओं का विश्वास और आस्था अक्षुण्ण बनी रहे। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में सद्बुद्धि पद यात्राश में शामिल होकर सत्य, पारदर्शिता और जनभावनाओं के सम्मान के पक्ष में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

माननीया राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने ' साथी हाथ बढ़ाना ' पुस्तक का विमोचन किया

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की माननीया राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज राजभवन (जनभवन) में श्री सुनील कुमार यादव, चीफ फार्मेसिस्ट, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) चिकित्सालय, लखनऊ एवं बेसिक लाइफ सपोर्ट (BLS) ट्रेनर द्वारा लिखित पुस्तक 'साथी हाथ बढ़ाना – Basic Life Support (BLS): Emergency Response and Life-saving Skills' का विधिवत विमोचन किया। इस अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर दिया गया बेसिक लाइफ सपोर्ट किसी व्यक्ति का जीवन बचा सकता है। उन्होंने लेखक श्री सुनील कुमार यादव को इस महत्वपूर्ण एवं जनहितकारी पुस्तक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी तथा विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक स्वास्थ्यकर्मियों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों के लिए समान रूप से उपयोगी सिद्ध होगी।

कार्यक्रम में पुस्तक के प्रकाशक श्री अक्षय जैन, आयुष विभाग के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. अवधेश द्विवेदी, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. महेश नाथ सिंह, श्री अंकुर यादव एवं श्री रविन्द्र यादव उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जनभवन की लाइब्रेरी के लिए प्रकाशक द्वारा पुस्तक की 10 प्रतियाँ भेंट की गईं। साथ ही माननीया राज्यपाल महोदया के विशेष कार्याधिकारी (OSD), ADC, CSO एवं अन्य अधिकारियों को भी पुस्तक की प्रतियाँ सादर भेंट की गईं।

उल्लेखनीय है कि 'साथी हाथ बढ़ाना – Basic Life Support (BLS): Emergency Response and Life-saving Skills' पुस्तक का उद्देश्य बेसिक लाइफ सपोर्ट, आपातकालीन प्रतिक्रिया एवं जीवनरक्षक कौशल को सरल, वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक रूप में जन-जन तक पहुँचाना है, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में अधिक से अधिक लोगों का जीवन बचाया जा सके।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल से भाजपा का चुनावी शंखनाद, 2027 में बड़ी जीत का लक्ष्य

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित अवध क्षेत्र के शक्ति केन्द्र संयोजक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे बूथ और शक्ति केन्द्रों को मजबूत बनाकर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को पहले से भी बड़ी विजय दिलाने के लिए जुट जाएं। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया।राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की आत्मा है और यह प्रभु श्रीराम, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा अटल बिहारी वाजपेयी जैसे महान व्यक्तित्वों की प्रेरणा से समृद्ध भूमि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास और विरासत दोनों क्षेत्रों में नई पहचान बनाई है। राष्ट्र प्रेरणा स्थल आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र सेवा और समर्पण की प्रेरणा देता रहेगा।उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ने प्रदेश को माफियाराज, अराजकता और तुष्टीकरण की राजनीति से बाहर निकालकर विकास की नई दिशा दी है। प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है, महिलाओं की सुरक्षा बढ़ी है और सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ धाम कॉरिडोर जैसे कार्य विरासत और विकास के समन्वय का उदाहरण हैं।नितिन नबीन ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत'उपाध्याय के 'अंत्योदय' और अटल बिहारी वाजपेयी के 'सुशासन' के विचारों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक साथ आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए काम करने का आह्वान किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्र प्रेरणा स्थल केवल स्मारक नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा का केंद्र है। यहां डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की 65 फीट ऊंची प्रतिमाएं तथा संग्रहालय नई पीढ़ी को उनके जीवन दर्शन से परिचित करा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए बलिदान दिया तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाकर उनके सपने को साकार किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की गरीब कल्याणकारी योजनाएं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार को धरातल पर उतार रही हैं, जबकि अटल बिहारी वाजपेयी ने देश को राजनीतिक स्थिरता और सुशासन का मॉडल दिया।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में विरासत और विकास साथ-साथ आगे बढ़े हैं। काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या, विंध्य धाम, नैमिषारण्य, वृंदावन, मथुरा और महाकुंभ जैसे कार्य इसके प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश आज एक्सप्रेसवे, मेट्रो, रेलवे, इनलैंड वॉटरवे और रक्षा विनिर्माण का प्रमुख केंद्र बन रहा है तथा ब्रह्मोस मिसाइल और ड्रोन निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले की सरकारें माफियाओं को संरक्षण देती थीं, जबकि वर्तमान सरकार राष्ट्र सुरक्षा और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता भारत की एकता और अखंडता के लिए समर्पित है तथा सरकार बिना किसी भेदभाव के गरीब, किसान, महिला और युवाओं तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है।उन्होंने शक्ति केन्द्रों और बूथों को चुनावी सफलता की सबसे महत्वपूर्ण इकाई बताते हुए कहा कि यदि शक्ति केन्द्र मजबूत होंगे तो भाजपा की जीत सुनिश्चित होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रत्येक माह अंतिम रविवार को ₹मन की बात₹ कार्यक्रम सुनने और प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि राष्ट्र प्रेरणा स्थल भाजपा की वैचारिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की पहचान बदल गई है। प्रदेश अब 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' के माध्यम से निर्यात और निवेश का प्रमुख केंद्र बन चुका है तथा देश के कुल एक्सप्रेसवे नेटवर्क का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश में है।

'मैदान की मिट्टी जीत-हार नहीं, उठना सिखाती है': खिलाड़ियों के नाम मुख्यमंत्री का संदेश, खेलों में नंबर-1 बनने की ओर बढ़ रहा उत्तर प्रदेश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में खेलों के बढ़ते स्तर, खिलाड़ियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों और विकसित हो रही खेल संस्कृति पर प्रदेशवासियों, विशेषकर युवा खिलाड़ियों के नाम एक प्रेरणादायी पाती लिखी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ₹मैदान की मिट्टी जीत-हार नहीं, बल्कि हर बार गिरकर फिर से उठना सिखाती है ₹ उन्होंने विश्वास जताया कि उत्तर प्रदेश विकास के साथ-साथ अब खेलों में भी देश का नंबर-1 राज्य बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है ।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के युवा अपनी प्रतिभा, मेहनत और अनुशासन के बल पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। उनकी उपलब्धियां केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गर्व का विषय हैं। उन्होंने कहा कि चैंपियन एक दिन में नहीं बनते और न ही खेल संस्कृति रातों-रात विकसित होती है। इसके लिए वर्षों की मेहनत, निरंतर अभ्यास, बेहतर सुविधाएं और समाज के सहयोग की आवश्यकता होती है ।मुख्यमंत्री ने हाल ही में आयोजित 65वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश पुरुष टीम के पहली बार चैंपियन बनने और कुल 20 पदक जीतकर नया इतिहास रचने पर खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि दर्शाती है कि प्रदेश में खेलों के क्षेत्र में किए गए प्रयास अब परिणाम देने लगे हैं ।उन्होंने अंडर-18 हॉकी एशिया कप जीतने वाली भारतीय टीम में उत्तर प्रदेश के पांच खिलाड़ियों के योगदान की भी सराहना की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की स्टार क्रिकेटर दीप्ति शर्मा, पैरा एथलीट प्रवीण कुमार, भाला फेंक खिलाड़ी अन्नू रानी, पैरा धाविका सिमरन शर्मा तथा युवा खिलाड़ी वंशिका अग्रवाल की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और समर्पण से उत्तर प्रदेश का नाम देश और दुनिया में रोशन किया है।

योगी सरकार के दो बड़े फैसले
स्टार्टअप नीति-2026 को मंजूरी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में नवाचार, उद्यमिता और रोजगार को नई गति देने के साथ-साथ सरकारी कर्मचारियों को राहत प्रदान करने की दिशा में दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई बैठक में 'उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026' को मंजूरी दे दी गई। इसके साथ ही वेतन समिति (2016) की संस्तुतियों पर मुख्य सचिव समिति की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए पुलिस सहित कई विभागों के कर्मचारियों के वर्दी, वर्दी नवीनीकरण और वर्दी धुलाई भत्तों में वृद्धि का निर्णय भी लिया गया। सरकार का मानना है कि इन दोनों फैसलों से प्रदेश में निवेश, रोजगार, नवाचार और प्रशासनिक व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।नई स्टार्टअप नीति का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को देश के अग्रणी स्टार्टअप राज्यों में स्थापित करना है। इसके तहत युवाओं को अपना उद्यम शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए पहले की तुलना में कहीं अधिक वित्तीय और संस्थागत सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार ने स्टार्टअप संस्थापकों को मिलने वाला भरण-पोषण भत्ता 17,500 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 20,000 रुपये प्रतिमाह कर दिया है। पहले यह सहायता एक वर्ष तक मिलती थी, जबकि अब इसे दो वर्षों तक प्रदान किया जाएगा।स्टार्टअप्स के लिए प्रोटोटाइप अनुदान 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये तथा सीड फंडिंग 7.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 15 लाख रुपये कर दी गई है। विशेष परिस्थितियों में यह सहायता 50 लाख रुपये तक उपलब्ध कराई जा सकेगी। इसके अलावा पेटेंट और गुणवत्ता प्रमाणन के लिए 2 करोड़ रुपये तक प्रतिपूर्ति, 5 करोड़ रुपये तक मैचिंग ग्रांट, 2 करोड़ रुपये तक के टर्म लोन पर 4 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी तथा ईपीएफ और ईएसआई प्रतिपूर्ति जैसी सुविधाएं भी दी जाएंगी।

जलालाबाद का नाम 'परशुरामपुरी' किए जाने का ए.के. शर्मा ने किया स्वागत, बोले— सांस्कृतिक विरासत के सम्मान की दिशा में ऐतिहासिक फैसला

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने शाहजहांपुर जनपद की नगर पालिका परिषद जलालाबाद क्षेत्र के कस्बे एवं नगर जलालाबाद का नाम बदलकर 'परशुरामपुरी' किए जाने के मंत्रीपरिषद के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक विरासत के सम्मान की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक कदम बताया है।उन्होंने इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मंत्रीपरिषद के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह फैसला प्रदेश की जनता की भावनाओं, जनप्रतिनिधियों की लंबे समय से चली आ रही मांग तथा भारतीय सांस्कृतिक परंपरा के अनुरूप है। इससे भगवान परशुराम से जुड़े ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को नई पहचान मिलेगी तथा प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को और अधिक मजबूती प्राप्त होगी।

संक्षेप

बेटी का जन्मदिन मनाने ससुराल आया युवक पेड़ से लटका मिला, बंथरा में आत्महत्या से सनसनी

लखनऊ। राजधानी के बंथरा थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक अपनी बेटी का जन्मदिन मनाने के लिए ससुराल आया था, लेकिन सुबह उसका शव गांव के बाहर एक पेड़ से गमछे के सहारे लटका मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है ।पुलिस के अनुसार, सोमवार 6 जुलाई 2026 को सुबह 5:42 बजे पुलिस रिस्पांस वाहन (पीआरवी) के माध्यम से सूचना मिली कि बंथरा थाना क्षेत्र के ग्राम मवई पड़ियाना में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही थाना बंथरा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया ।प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान धर्मेन्द्र (32 वर्ष) पुत्र सुखदेव निवासी ग्राम हंसखेड़ा, थाना पारा, लखनऊ के रूप में हुई। पुलिस की जांच में सामने आया कि धर्मेन्द्र अपनी पुत्री का जन्मदिन मनाने के लिए अपनी ससुराल ग्राम मवई पड़ियाना आया हुआ था। इसी दौरान वह गांव के बाहर चला गया और वहां एक पेड़ पर गमछे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली ।घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। अचानक हुई इस घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के सदस्यों ने ऐसी घटना की कल्पना भी नहीं की थी। स्थानीय लोगों ने भी युवक की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया ।पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं।

राजधानी अस्पताल के सामने सड़क किनारे मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, पहचान में जुटी पुलिस

लखनऊ। राजधानी के मदेयगंज थाना क्षेत्र में सोमवार को राजधानी हॉस्पिटल के सामने सड़क किनारे एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थानों और जनपदों में सूचना भेजकर शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है ।पुलिस के अनुसार, 6 जुलाई 2026 को चार्ली कंट्रोल के माध्यम से सूचना मिली कि मदेयगंज थाना क्षेत्र में राजधानी हॉस्पिटल के सामने सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही थाना मदेयगंज पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया ।जांच में सड़क किनारे करीब 50 वर्षीय अज्ञात पुरुष मृत अवस्था में मिला। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों तथा स्थानीय नागरिकों से शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी।

अयोध्या में 'सोने से भरा बैग' मिलने की वायरल कहानी निकली झूठी, मोहनलालगंज पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

लखनऊ। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे उस संदेश का मोहनलालगंज पुलिस ने पूरी तरह खंडन किया है, जिसमें दावा किया गया था कि मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के कुछ लोगों को अयोध्या में सोने से भरा बैग मिला, उसके बंटवारे को लेकर विवाद हो गया और पुलिस चौकी माल अपने कब्जे में लेकर बाद में उसे नकली बता दिया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह पूरा संदेश पूरी तरह असत्य, भ्रामक और निराधार है तथा इसका वास्तविक घटनाक्रम से कोई संबंध नहीं है ।पुलिस के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरे प्रकरण की जांच कराई गई। जांच में सामने आया कि मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के ग्राम धर्मगत खेड़ा निवासी हर्ष यादव, पुष्पेंद्र यादव, सौरभ शर्मा, प्रांशु यादव और पुष्कर 2 जुलाई 2026 को अयोध्या दर्शन के लिए गए थे। दर्शन कर लौटते समय हर्ष यादव की सोने की चेन कहीं गुम हो गई। चेन नहीं मिलने पर हर्ष यादव ने अपने साथ गए साथियों पर संदेह जताते हुए मोहनलालगंज थाने में प्रार्थना पत्र दिया ।पुलिस ने शिकायत मिलते ही मामले की जांच शुरू की और सभी संबंधित लोगों से पूछताछ की। जांच के दौरान किसी भी व्यक्ति के कब्जे से कोई सोने का आभूषण, सोने से भरा बैग या अन्य कोई कीमती सामान बरामद नहीं हुआ। पुलिस को ऐसी कोई भी

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर मुख्यमंत्री योगी ने अर्पित की श्रद्धांजलि

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर सोमवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) चिकित्सालय परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा के समक्ष चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण, स्वतंत्रता संग्राम, शिक्षा, औद्योगिक विकास और राष्ट्रीय एकता के लिए दिए गए योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा, अखंड भारत और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार और आदर्श आज भी देशवासियों को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं ।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत माता के महान सपूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं पावन जयंती है। वे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रख्यात शिक्षाविद् तथा स्वतंत्र भारत के प्रथम उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री थे। वर्ष 1901 में बंगाल में जन्मे डॉ. मुखर्जी ने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद अध्यापन के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दीं और मात्र 33 वर्ष की आयु में कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति बनकर अपनी असाधारण प्रतिभा का परिचय दिया। शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आजादी के आंदोलन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जब बंगाल को पाकिस्तान का हिस्सा बनाने की साजिश रची जा रही थी, तब उन्होंने उसका पुरजोर विरोध किया और बंगाल को पाकिस्तान में शामिल होने से बचाने में निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि आज पश्चिम बंगाल भारत का अभिन्न अंग है, तो उसमें डॉ. मुखर्जी के संघर्ष और दूरदर्शिता का महत्वपूर्ण योगदान है।उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत में केंद्रीय उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में डॉ. मुखर्जी ने देश की खाद्य एवं औद्योगिक नीति को नई दिशा देने का कार्य किया। लेकिन जब उन्हें लगा कि तुष्टीकरण की राजनीति देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा बन रही है, तब उन्होंने सत्ता का मोह त्यागते हुए मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद भारतीय जनसंघ की स्थापना कर उन्होंने राष्ट्रवादी विचारधारा को संगठित स्वरूप प्रदान किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे' का उद्घोष किया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में लागू परमिट व्यवस्था और विशेष प्रावधानों का विरोध करते हुए आंदोलन का नेतृत्व किया।

लखनऊ में छह वर्षीय मासूम की हत्या का खुलासा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के मड़ियांव थाना क्षेत्र में छह वर्षीय मासूम की हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त करछी (पलटा) भी बरामद कर ली है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है, जबकि मामले में नामजद दूसरी आरोपी के संबंध में भी जांच जारी है।पुलिस के अनुसार, 5 जुलाई 2026 को उन्नाव जनपद के बीघापुर थाना क्षेत्र स्थित कटरा दीवानखेड़ा निवासी दिनेश कुमार ने मड़ियांव थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनके छह वर्षीय पुत्र अहम की मारपीट कर हत्या कर दी गई है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने प्रशांत उर्फ गौरव सिंह निवासी सरैया पहाड़पुर, थाना गोसाईगंज, जनपद अयोध्या तथा पूनम देवी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का मुकदमा दर्ज किया।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की। 6 जुलाई को मड़ियांव थाना पुलिस नौबस्ता मोड़ क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि हत्या का आरोपी प्रशांत सिंह मड़ियांव पुल के नीचे रेलवे लाइन के पास कहीं भागने की फिराक में खड़ा है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम प्रशांत सिंह उर्फ गौरव सिंह (26 वर्ष) पुत्र प्रभात चंद्र सिंह निवासी ग्राम सरैया पहाड़पुर, थाना गोसाईगंज, जनपद अयोध्या बताया। पुलिस ने उसे हत्या के मुकदमे में विधिवत गिरफ्तार कर लिया।

आईजीआरएस रैंकिंग में लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट बना प्रदेश में नंबर-1, जून 2026 में 100 प्रतिशत अंक हासिल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन के जनसुनवाई समाधान पोर्टल (आईजीआरएस) पर शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण के मामले में पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। शासन द्वारा जारी जून-2026 की रैंकिंग में पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने शत-प्रतिशत (100 प्रतिशत) अंक प्राप्त करते हुए पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही कमिश्नरेट के सभी 50 थानों ने भी 100 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है।यह उपलब्धि पुलिस आयुक्त के नेतृत्व, संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) के प्रभावी मार्गदर्शन तथा पुलिस उपायुक्त मुख्यालय और नोडल आईजीआरएस स्टाफ ऑफिसर की सतत निगरानी एवं प्रभावी अनुश्रवण का परिणाम मानी जा रही है।

बीबीएयू के प्रो. नवीन अरोड़ा के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका ने रचा कीर्तिमान, आठ वर्षों में 4.6 इम्पैक्ट फैक्टर हासिल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा के नेतृत्व में प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका 'एन्वॉयरमेंटल सस्टेनेबिलिटी' ने अपने प्रकाशन के आठ वर्ष सफलतापूर्वक पूरे करते हुए वैश्विक स्तर पर नई उपलब्धि हासिल की है। विश्व की प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्था स्प्रिंगर नेचर द्वारा जून 2018 में शुरू की गई इस शोध पत्रिका को क्लैरिवेट (वेब ऑफ साइंस) की नवीनतम जर्नल सिटेशन रिपोर्ट में 4.6 का इम्पैक्ट फैक्टर प्राप्त हुआ है, जो पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में इसकी उत्कृष्ट गुणवत्ता और बढ़ते वैश्विक प्रभाव का प्रमाण माना जा रहा है।पर्यावरण विज्ञान एवं सूक्ष्मजीव विज्ञान के क्षेत्र के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा के प्रधान संपादकत्व में प्रकाशित यह शोध

पत्रिका अपेक्षाकृत कम समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाने में सफल रही है। अकादमिक जगत में 4.0 से अधिक का इम्पैक्ट फैक्टर किसी भी शोध पत्रिका की उच्च वैज्ञानिक गुणवत्ता, व्यापक स्वीकार्यता और शोध प्रभाव का महत्वपूर्ण मानक माना जाता है। यह उपलब्धि इस पत्रिका को भारत की पर्यावरण एवं जैविक विज्ञान विषयक अग्रणी शोध पत्रिकाओं की श्रेणी में स्थापित करती है।विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा और पूरी संपादकीय टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह शोध पत्रिका पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और भविष्य की पीढ़ियों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप अनुसंधान को प्रोत्साहित करने में इस पत्रिका का योगदान अत्यंत सराहनीय है और यह विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिष्ठा को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिला रही है ।प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा ने कहा कि मात्र आठ वर्षों में 4.6 का इम्पैक्ट फैक्टर और क्यू-2 श्रेणी प्राप्त करना पूरी संपादकीय टीम की मेहनत, वैज्ञानिक गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता और दूरदर्शी संपादकीय नीति का परिणाम है। उन्होंने स्प्रिंगर नेचर की कार्यकारी प्रकाशक डॉ. ममता कापिला सहित पूरी संपादकीय टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसी नए शोध जर्नल को स्थापित करना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, विशेषकर तब जब उसी क्षेत्र में पहले से अनेक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं मौजूद हों। इसके बावजूद गुणवत्तापूर्ण शोध और प्रभावी संपादकीय व्यवस्था के बल पर इस पत्रिका ने विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है।उन्होंने बताया कि इस शोध पत्रिका की परिकल्पना इसके प्रकाशन से लगभग आठ वर्ष पहले ही तैयार कर ली गई थी। विश्वभर में बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों और उच्च गुणवत्ता वाले अंतर्विषयक शोध की आवश्यकता को देखते हुए ऐसे मंच की कल्पना की गई थी, जहां समकालीन पर्यावरणीय समस्याओं पर उत्कृष्ट शोध प्रकाशित किए जा सकें। इसी उद्देश्य को स्वीकार करते हुए स्प्रिंगर नेचर ने जून 2018 में इसका प्रकाशन शुरू किया।

छत से महिला को अगवा कर जंगल में दुष्कर्म का आरोप, मोहनलालगंज पुलिस ने 48 घंटे के भीतर आरोपी को दबोचा

लखनऊ। राजधानी के मोहनलालगंज क्षेत्र में महिला के साथ कथित दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी को घटना के दो दिन के भीतर गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता की तहरीर, बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोप प्रथम दृष्टया सत्य पाए गए, जिसके बाद विशेष पुलिस टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की गई थी।पुलिस के अनुसार पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई कि 4 जुलाई 2026 की रात लगभग 11:30 बजे वह अपने घर की छत पर सो रही थी। रात में पानी पीने के लिए नीचे उतरने के दौरान गांव निवासी अजय कुमार उसके पीछे आ गया। आरोप है कि उसने महिला का मुंह दबाकर जबरन उसे घर से उठाकर पास के जंगल में ले गया।

मान सरकार के लिए बूमरैंग साबित होता बेअदबी कानून

बूमरैंग आस्ट्रेलिया के मूलनिवासियों द्वारा प्रयोग किया जाने वाला वो हथियार है जो लक्ष्य भेदने में असफल होने पर मारने वाले पर ही पलटवार करता है। पंजाब में आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के लिए श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी को लेकर लाया गया 'जगत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम' अब यही राजनीतिक बूमरैंग साबित होता दिख रहा है। अकाली दल को घेरने व सिख मतदाताओं को रिझाने के लिए लाए गए इस अधिनियम में खुद सरकार फसी हुई दिख रही है। पंजाब में साल 2015 के बाद अचानक गुरुद्वारों में व अन्य स्थानों पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबियों की घटनाओं की अंधेरी सी आ गई। इसको लेकर कई हिंसक आंदोलन व धरना प्रदर्शन भी हुए, जिसमें दो प्रदर्शनकारियों की मौत भी हुई। राज्य में उस समय अकाली दल बादल की सरकार थी जिसके मुख्यमंत्री स. प्रकाश सिंह बादल थे। लोगों का सरकार के प्रति गुस्सा पनपा जो 2017 बादल सरकार की विदाई का एक कारण बना। उसके बाद कांग्रेस सरकार बेअदबी को लेकर आई और अब चुनावों को नजदीक आते देख आम आदमी पार्टी की सरकार ने इस पर दांव खेला। आप का यह पासा उलटा पड़ता दिखाई दे रहा है।

पंजाब की राजनीति में उस समय नया मोड़ आया जब अकाल तख्त के जत्थेदार कुलदीप सिंह गडग़ज ने निर्वाचित विधानसभा को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया और सदस्यों से यह स्पष्टीकरण मांगा कि उन्होंने बिना सलाह के एक पंथ से जुड़ा कानून क्यों पारित किया। संवैधानिक रूप से सदन के अंदर विधायकों द्वारा कही या की गई किसी भी बात को कहीं भी चुनौती नहीं दी जा सकती। वे केवल अध्यक्ष, न्यायालयों और जनता के प्रति ही जवाबदेह होते हैं, लेकिन जत्थेदार गडग़ज ने जनता के इन प्रतिनिधियों के साथ स्कूली बच्चों जैसा व्यवहार किया। सही उत्तर न देने पर उन्हें डांटा और एक महीने के भीतर अपना होमवर्क पूरा करने का आदेश देकर वापस भेज दिया। इस पेशी के दौरान सामने आया कि कुछ विधायकों ने तो इस कानून का प्रारूप तक नहीं पढ़ा था और बिना पढ़े इन पर हस्ताक्षर कर दिए। जब अकाल तख्त के जत्थेदार ने 'जगत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम' की कुछ धाराओं व तकनीकी शब्दों के बारे में पूछा, तो कई विधायकों ने इस संबंध में अनभिज्ञता व्यक्त की।

भगवंत सिंह मान इतने लंबे समय से राजनीति में सक्रिय हैं, इसके बावजूद, वे अकाली दल के बुने जाल में आसानी से फंस गए। आम आदमी पार्टी अब ऐसे मोड़ पर है जहां अकाल तख्त के जत्थेदार द्वारा सुझाए गए संशोधनों को लागू करने पर भी उसे परेशानी होगी और लागू न करने पर भी वह मुश्किल में पड़ जाएगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सार्वजनिक रूप से कानून में किसी भी बदलाव से इनकार कर चुके हैं, लेकिन उन्हें अपने स्टैंड पर कोहनीमोड़ लेना पड़ेगा। यदि पार्टी जत्थेदार के सुझावों को खारिज कर देती है तो वह पंथक विरोध के झंझावत में फंस जाएगी। विशेषज्ञ कहते हैं कि मान सरकार को कानून पारित करने से पहले पंथक धड़ों सहित सभी पक्षों से व्यापक विचार-विमर्श करना चाहिए था। यदि मुख्यमंत्री ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति को इस प्रक्रिया में शामिल किया होता तो उसे यह समय नहीं देखना पड़ता। वर्तमान में अकाली दल बादल के अध्यक्ष सुखबीर बादल का एसजीपीसी पर पूर्ण नियंत्रण है, जिस पर आरोप हैं कि वह मनमाने ढंग से अकाल तख्त जत्थेदारों की नियुक्ति और बर्खास्तगी करती है। बादल की यह सुनियोजित रणनीति भगवंत मान के लिए संकट की घड़ी पैदा करने की थी और वे जिसमें सफल रहे। राजनीतिक क्षेत्र में अपनी स्थिति पुनः प्राप्त करने के लिए उत्सुक श्री बादल इसके लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। आम सिखों द्वारा बेअदबी विरोधी कानून का हार्दिक स्वागत अकाली दल के खेमे में खतरे की घंटी बजा चुका था। सुखबीर बादल सिख वोट बैंक छिटकने को लेकर चिंतित थे, लेकिन मान सरकार ने अपनी सूझबूझ की कमी से बादल को पंथक एजेंट पर लाभ वाली मुद्रा में ला दिया।

भगवंत मान की अकाल तख्त साहिब में पेश होने को लेकर अपनी राजनीतिक मजबूरियाँ हो सकती हैं, लेकिन मुख्यमंत्री के इस कदम ने संवैधानिक मर्यादा पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। गौरतलब है कि ज्ञानी जैल सिंह और प्रकाश सिंह बादल को जब बुलाया गया तो वे तुरंत अकाल तख्त साहिब नहीं गए। उन्होंने खुद पेश होने का समय तय किया था। सुरजीत सिंह बरनाला (पूर्व मुख्यमंत्री) और बूटा सिंह (पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री) ने संवैधानिक पदों से हटने के बाद ही गलतियों को माफ करवाने के लिए अकाल तख्त साहिब में पेश होने का रास्ता चुना था। लेकिन न तो मान और न ही उनकी सरकार इतना हौंसला दिखा सकी कि वह अपने पद व संवैधानिक मर्यादा का पालन करवा सके। पूरे प्रकरण में वे एक कमजोर मुख्यमंत्री और उनके विधायक अनाड़ी जनप्रतिनिधि साबित हुए हैं। रोचक बात है कि सरकार में 92 विधायक होने के बावजूद कोई प्रबुद्ध संकट प्रबंधक व कुशल मार्गदर्शक नजर नहीं आ रहा है। इस प्रकरण ने सरकार की राजनीतिक कुशलता व रणनीतिक योग्यता पर भी प्रश्न खड़े किए हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

पाई-पाई का होगा हिसाब... एसआईटी करेगी पिछले 5 साल के वित्तीय लेनदेन की जांच

शुरुआती जांच में बड़े पैमाने पर मिली खामियों को देखते हुए एसआईटी ने पिछले पांच साल में मंदिर ट्रस्ट की ओर से कराए गए ऑडिट की जांच का फैसला लिया है

पंकज चतुर्वेदी

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में ढील की कोई गुंजाइश नहीं है। एसआईटी परत-दर-परत इसकी तहकीकात कर रही है। इस मामले में पाई पाई का हिसाब होगा। शुरुआती जांच में बड़े पैमाने पर मिली खामियों को देखते हुए एसआईटी अब ट्रस्ट के पांच साल के ऑडिट की जांच करेगी। हर वित्तीय लेनदेन की बारीकी से तफ्तीश की जाएगी। SIT को कुछ अहम साक्ष्य भी मिले हैं। जांच की जद में ट्रस्ट के बड़े पदाधिकारी आ सकते हैं। इसके अलावा निर्माण कार्यों की भी जांच होगी। एसआईटी अब 15 जुलाई को सरकार को रिपोर्ट सौंपेगी।

एसआईटी ने प्रारंभिक जांच में आपराधिक पहलू की जांच की है। इसी आधार पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी से जुड़े अधिकारी लगातार अयोध्या में हैं और साक्ष्य जुटा रहे हैं। शुरुआती जांच में बड़े पैमाने पर मिली खामियों को देखते हुए एसआईटी ने पिछले पांच साल में मंदिर ट्रस्ट की ओर से कराए गए ऑडिट की जांच का फैसला लिया है। जरूरत पड़ने और एसआईटी संबंधित एक्सपर्ट की मदद ले सकती है। इसमें एसआईटी देखेगी कि ऑडिट में कहां खामियां हैं?

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था में एक और बड़ा बदलाव लागू कर दिया है। अब मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारियों, विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के जवानों और अन्य अधिकृत कर्मियों की प्रवेश के साथ-साथ निकास के समय भी अनिवार्य रूप से तलाशी ली जाएगी। अब तक मंदिर परिसर में प्रवेश के दौरान कर्मचारियों की पहचान बायोमीट्रिक और फेस रीडिंग के जरिए की जाती थी, लेकिन ड्यूटी पूरी होने के बाद बाहर निकलते समय नियमित तलाशी की व्यवस्था नहीं थी।

परिचित होने के कारण कई कर्मचारियों के साथ सामान्य प्रक्रिया अपनाई जाती थी, जिसका फायदा उठाकर आरोपी कथित तौर पर चढ़ावे की धनराशि बाहर ले जाने में सफल रहे। चढ़ावा चोरी मामले के खुलासे के बाद सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई, जिसके बाद यह फैसला लिया गया कि अब किसी भी कर्मचारी, सुरक्षा कर्मी या अधिकृत व्यक्ति को बिना तलाशी के मंदिर परिसर से बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। इसके लिए प्रवेश और निकास दोनों स्थानों पर सुरक्षा जांच को और अधिक सख्त कर दिया गया है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर हर रोज चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। इससे ये पता चल रहा है कि कैसे भगवान राम के नाम पर करोड़ों लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ हो रहा था। इस पूरे मामले में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सभी सलाखों के पीछे हैं। चंपत राय और अनिल मिश्रा से पूछताछ हुई है। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी से भी पूछताछ होगी। वित्तिय देखरेख की जिम्मेदारी उनके पास ही थी।

टिप्पणी

मज़ाक जैसा महसूस हुआ

अमेरिका के हालिया व्यवहार को ध्यान में रखें, तो ट्रंप का यह कहना कि जब तक नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं, हमला होने पर अमेरिका भारत की मदद के लिए खड़ा होगा, मज़ाक जैसा महसूस हुआ है!

नरेंद्र मोदी से डॉनल्ड ट्रंप की मुलाकात से कुछ घंटे पहले ही अमेरिकी युद्ध मंत्रालय ने अपने इंडो-पैसिफिक कमांड के नाम से 'इंडो' शब्द हटा दिया। अब उसे यूएस पैसिफिक कमांड के पुराने नाम से जाना जाएगा। 2018 में ट्रंप-1 प्रशासन ने जब इंडो-पैसिफिक नाम रखा, तब तत्कालीन अमेरिकी रक्षा मंत्री जेम्स मैटिस ने कहा था- 'हमें हिंद महासागर, भारतीय उपमहाद्वीप, और निश्चित रूप से खुद भारत के बढ़ रहे महत्त्व को समझने की जरूरत है। इसलिए मैं सुनिश्चित करना चाहता हूं नाम यथार्थ को प्रतिबिंबित करे।'

ट्रंप-2 प्रशासन की निगाह में वो यथार्थ बदल गया है- यह उसके नए राष्ट्रीय सुरक्षा दस्तावेज से जाहिर हो गया था, जिसमें भारत का उल्लेख संदर्भवश हुआ। ट्रंप के व्यवहार और उनके प्रशासन के कदमों का सार भी यही है कि उनकी रणनीतिक सोच में भारत की पहले जैसी अहमियत नहीं रही। आठ साल पहले चीन को घेरना और उसका उदय रोकना अमेरिका की प्राथमिकता बनी थी। ट्रंप-2 प्रशासन का आकलन है कि चीन महाशक्ति बन चुका है और अब चुनौती उसके साथ तालमेल बनाकर टकराव टालने की है। इसीलिए अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान ट्रंप 'रणनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करने वाले रचनात्मक संबंध' के चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के प्रस्ताव पर सहमत हो गए।

चीन के राष्ट्रपति से अपनी मुलाकात को उन्होंने जी-2 कहना शुरू किया है। जी-7 शिखर बैठक के मौके पर फ्रांस के एवियन में हुई प्रेस कांफ्रेंस के दौरान मोदी की मौजूदगी में उन्होंने सितंबर में तय जी-2 बैठक का जिक्र किया। तो यह साफ है कि अमेरिकी रणनीति में भारत का महत्त्व चीन को घेरने की उसकी प्राथमिकता के तहत बढ़ा था। अब चूंकि प्राथमिकता बदल गई है, तो क्वॉड जैसे समूह या इंडो-पैसिफिक जैसे फ़ौरी जरूरत के हिसाब से अपनाए गए नाम उसके लिए अप्रासंगिक हो गए हैं। अब उसकी प्राथमिकता है भारत से अधिकतम कीमत वसूलना। ऐसे में मोदी से मुलाकात के दौरान ट्रंप का प्रधानमंत्री को सबसे खूबसूरत व्यक्ति और कातिलाना शख्स कहना या यह कहना कि जब तक मोदी प्रधानमंत्री हैं, हमला होने पर अमेरिका भारत की मदद के लिए खड़ा होगा, मज़ाक के जैसा महसूस हुआ है!

ब्लॉग

चढ़ावा चोरी विवाद: यूपी में चुनाव के दबाव ने बदला कांग्रेस-एसपी का राजनीतिक मुखौटा?

संजीव श्रीवास्तव

किसी भी राष्ट्र या समाज की इससे बड़ी त्रासदी कुछ और नहीं हो सकती, जब उसकी सांस्कृतिक चेतना को राजनीतिक निहितार्थों के तहत पारिभाषित किया जाने लगे। दुर्भाग्य से बीते दशकों में देश में ऐसा ही कुछ देखने को मिला। भगवान राम भारत की सामूहिक श्रद्धा का केंद्र हैं, सभी के हृदय में हैं लेकिन आजादी के बाद की राजनीति ने एक ऐसी वैचारिक परिपाटी गढ़ी, जिसमें बहुसंख्यक आस्था को संदेह की नजर से देखना ही प्रगतिशीलता और सेक्युलरिज्म का प्रमाण बन गया। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी इस वैचारिक ढांचे की सबसे मुखर उपज हैं।

कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के वैचारिक चरित्र को समझने के लिए तथ्यों की लंबी फेहरिस्त जरूरी नहीं, बस कुछ घटनाएं ही काफी हैं। सबसे पहले समाजवादी पार्टी की बात करते हैं, जिसके इतिहास में 1990 में कारसेवकों पर गोलियां चलवाने और कोठारी बंधुओं की मौत का कलंक दर्ज है। इससे पहले जब भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने रथयात्रा निकाली और कारसेवक अयोध्या पहुंचने लगे तो तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव का वह दंभ कि अयोध्या में कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता भला कौन भूला होगा।

हजारों कारसेवकों की गिरफ्तारी, अस्थायी जेलें यह भी सपा के इतिहास का हिस्सा हैं। समाजवादी पार्टी का समाजवाद कभी सामाजिक न्याय की जमीन पर खड़ा वैचारिक आंदोलन रहा होगा, लेकिन अयोध्या के मसले पर उसने जिस रास्ते को चुना, वह एक विशेष वोट बैंक के तुष्टिकरण के लिए ही था और यह मुलायम सिंह यादव के बाद उनके बेटे अखिलेश यादव के कार्यकाल में भी लगातार देखने को मिला।

आस्था के विरुद्ध खड़े होकर एक समुदाय विशेष को खुश करने की यह रणनीति भारतीय राजनीति के सबसे कुत्सित प्रयोगों में गिनी जाती है। इसी रणनीति के तहत 2019 में जब सुप्रीम कोर्ट ने राम जन्मभूमि के पक्ष में ऐतिहासिक फैसला सुनाया तो सपा की प्रतिक्रिया ठंडी और औपचारिक थी। जिस दल की वैचारिक बुनियाद ही हिंदू आस्था के प्रति संदेह पर टिकी हो, अचानक ही उसमें रामभक्ति का प्रकटीकरण विश्वसनीय कैसे हो सकता है।

सपा की वैचारिक विरासत का सबसे ताजा उदाहरण अखिलेश यादव के हालिया बयानों में देखा जा सकता है। जून 2026 में जब अयोध्या मंदिर के चढ़ावे में हेराफेरी का मामला सामने आया, तो सपा प्रमुख ने पूरे तथ्य सामने आने से पहले ही सरकार को निशाने पर लेना शुरू कर दिया। उनकी टिप्पणियां अपने आप में ही यह बताती हैं कि अखिलेश के लिए अयोध्या आज भी आस्था का विषय कम, राजनीति का मैदान ज्यादा है।

आस्था का विषय होता तो वह भगवान रामलला के दर्शन को भी जरूर ही जाते। उनका यह कहना कि वह इटावा में अपने केदारेश्वरधाम शिव मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद ही मर्यादा पुरुषोत्तम राम के दर्शन के लिए जाएंगे, यह दर्शाता है कि उनके लिए रामलला के प्रति आस्था अपने संसदीय क्षेत्र की राजनीतिक परियोजना पूरी होने की शर्त पर निर्भर है। इसमें भी वोट की राजनीति ही दिखाई देती है।

कांग्रेस की बात करें तो भगवान श्रीराम मंदिर को लेकर उसका रुख और भी गहरा और खतरनाक है, क्योंकि उसकी वैचारिक जड़ें नेहरूवादी सेक्युलरिज्म के उस मॉडल में हैं। जन्मभूमि परिसर में 1949 में मूर्ति प्रकट होने पर नेहरू की बेचैनी इसी वैचारिक असहजता का प्रारंभिक संकेत थी, जब सत्ता प्रतिष्ठान ने आस्था के स्वाभाविक उभार को प्रशासनिक समस्या के रूप में देखा। यही मानसिकता आगे चलकर 2007 में उस हलफनामे के रूप में सामने आई, जिसने करोड़ों भारतीयों के आराध्य के ऐतिहासिक अस्तित्व को ही चुनौती दे डाली।

इस संदर्भ में 2017 के प्रसंग को भी रखना होगा, जब सुप्रीम कोर्ट में राम जन्मभूमि मामले की सुनवाई के दैरान सुन्नी वक्फ बोर्ड की ओर से पैरवी कर रहे तब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने तर्क रखा कि इस मामले की सुनवाई टाल दी जाए, क्योंकि इसका 2019 के लोकसभा चुनाव पर असर पड़ सकता है। अदालत ने इस दलील को सिरे से खारिज करके न्यायिक स्वतंत्रता को सर्वोपरि रखा, लेकिन यह प्रसंग मंदिर को लेकर कांग्रेस नेतृत्व की वैचारिक असहजता का प्रमाण है।

इससे पहले 1992 में विवादित ढांचा गिरने के बाद तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने अध्यादेश लाकर विवादित स्थल सहित आस-पास की 67 एकड़ जमीन का अधिग्रहण इस उद्देश्य से कर लिया था कि हिंदू पक्ष वहां कोई निर्माण कार्य आगे न बढ़ा सके।

जनवरी 2024 में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के आमंत्रण को भी कांग्रेस ने भाजपा और आरएसएस का राजनीतिक कार्यक्रम बताते हुए ठुकरा दिया था और यही वह क्षण था जब पार्टी अपनी वैचारिक स्थिति को लेकर पूरी तरह बेनकाब हो गई। अब इसी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय मंदिर की देहरी पर सिर झुका रहे हैं तो यह वैचारिक परिवर्तन नहीं, बल्कि वैचारिक पराजय की स्वीकृति है।

इस पूरे घटनाक्रम में एक और पहलू गौर करने लायक है और वह है चुनाव का समय। कांग्रेस और सपा, दोनों की अयोध्या-सक्रियता ठीक उसी क्षण तेज हुई जब मंदिर के चढ़ावे में गड़बड़ी की खबरें आईं और एसआईटी जांच शुरू हुई। यह कोई संयोग नहीं कि जिस मुद्दे को श्रद्धालु समाज गंभीरता और संयम से देखना चाहता था, विपक्षी दलों ने उसे तत्काल राजनीतिक हथियार बना लिया। यह प्रवृत्ति उस पुरानी वैचारिक सोच की ही अगली कड़ी है, जिसमें आस्था का प्रश्न कभी पवित्र नहीं रहा, बल्कि हमेशा राजनीतिक उद्देश्य की पूर्ति का साधन भर रहा। पहले यह प्रवृत्ति आस्था के विरोध के रूप में प्रकट होती थी, अब यह आस्था के दिखावटी समर्थन के रूप में प्रकट हो रही है।

एक प्रश्न और है और अत्यंत गंभीर भी है कि यदि इन दलों को वास्तव में मंदिर व्यवस्था की पारदर्शिता की इतनी ही चिंता थी, तो यह चिंता मंदिर निर्माण के दौरान, प्राण प्रतिष्ठा के समय, या बीते डेढ़ वर्षों में कभी सार्वजनिक रूप से क्यों नहीं दिखी। सपा और कांग्रेस दोनों ही दल इसलिए भी वैचारिक कठघरे में हैं क्योंकि यहां सवाल किसी एक घटना का नहीं, बल्कि एक पूरी राजनीतिक परंपरा का है।

इन दलों की जिस विचारधारा ने दशकों तक यही संदेश दिया कि हिंदू आस्था की सार्वजनिक अभिव्यक्ति संदेह की वस्तु है, साधु-संत उपद्रवी हैं, कारसेवक कट्टरपंथी हैं और मंदिर आंदोलन सांप्रदायिकता है, वह विचारधारा आज भी उसी मूल ढांचे में जीवित है। केवल चुनावी दबाव में उसका मुखौटा बदल गया है और इसलिए बदला है क्योंकि दोनों ही दल देख रहे हैं कि राम मंदिर के प्रति जनआस्था की अनदेखी कर चुनाव में टिके नहीं रहा जा सकता। लेकिन, भारतीय मतदाता अब पहले से अधिक जागरूक हैं और धैर्य के साथ समय की प्रतीक्षा करता है।

तीन दिन पहले ही प्रदीप ने घर में कराया था ये काम, दंपती में था विवाद

इन्फ्लुएंसर हत्याकांड में नया खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के सरूरपुर के कस्बा हर्रा निवासी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर निशा चौहान हत्याकांड में पुलिस ने अभी किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है। वारदात के बाद जान देने की कोशिश करने वाले उसके पति प्रदीप चौहान से रविवार को पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर पूछताछ की। पुलिस को पता चला है कि प्रदीप ने वारदात से तीन दिन पहले ही घर पर सीसीटीवी लगवाए थे।

इसके बाद पुलिस ने मामले में नए सिरे से जांच शुरू की है। नामजद विकास व राहुल के संबंध में भी पुलिस गहनता से पड़ताल कर रही है। आरोपी प्रदीप चौहान से पूछताछ के बाद पुलिस को जानकारी लगी है कि आरोपी ने अपनी पत्नी निशा चौहान की क्षणिक आवेश में हत्या नहीं की।

दंपती में पिछले कुछ दिन से

मनमुटाव चल रहा था। तीन दिन पहले सीसीटीवी लगना और तीन दिन से ही दोनों का अलग सोना। इस बात की ओर इशारा कर रहा है कि दंपती में सबकुछ सामान्य नहीं चल रहा था।

पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि कहीं प्रदीप पत्नी निशा चौहान पर शक तो नहीं करने लगा था। वहीं, पुलिस को वारदात में नामजद कराए गए प्रदीप के चचेरे भाई विकास और उसके ममेरे भाई राहुल के खिलाफ अब तक ठोस साक्ष्य नहीं मिले हैं।

इसके चलते पुलिस ने उनकी अब तक गिरफ्तार नहीं की है। पुलिस का कहना है कि सीडीआर की जांच में प्रदीप और विकास के बीच बातचीत की पुष्टि नहीं हुई है।

पत्नी की हत्या कर खुद के सीने में घोंपा था चाकू

तीन जुलाई को कस्बा हर्रा में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर निशा चौहान की उसके पति प्रदीप चौहान ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी। वारदात घर के अंदर लगे सीसीटीवी फुटेज में दिख रही थी।

घटना के बाद प्रदीप ने भी खुद अपने सीने में चाकू घोंप लिया था। उसका अब तक इलाज चल रहा है। निशा के गढ़मुक्तेश्वर निवासी भाई ने इस मामले में प्रदीप चौहान, विकास और राहुल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस का कहना था कि दंपती ने 137 गज का प्लॉट खरीदा था। तीन जुलाई को ही इसका बैनामा होना था। निशा बैनामा अपने नाम कराना चाहती थी। इस बात पर हुए विवाद में प्रदीप ने उसकी हत्या की थी। जबकि अंकित का कहना था कि विकास से उसका रास्ते और नए गेट निकलवाने को लेकर विवाद चल रहा था। विकास के उकसाने के आकर प्रदीप ने हत्या की थी।

इस मामले में जांच जारी है। प्रदीप की हालत में सुधार है। उससे पूछताछ की गई है। अस्पताल से डिस्चार्ज होते ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अभी विकास और राहुल के खिलाफ साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

-आशुतोष कुमार, सीओ सरधना

महिला आयोग की सदस्य ने दी सांत्वना

रविवार को महिला आयोग की सदस्य डॉ. मीनाक्षी भराला मृतका निशा चौहान के आवास पहुंची और परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि महिला आयोग पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है और उन्हें हरसंभव सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने पुलिस-प्रशासन से मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और त्वरित जांच कराने की बात कही है।

मौत के बाद इंस्टाग्राम पर 28 हजार के पार पहुंचे फॉलोअर्स

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर निशा चौहान की हत्या के बाद उसके इंस्टाग्राम अकाउंट पर फॉलोअर्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है। वारदात के समय उसके 24.4 हजार फॉलोअर्स थे। अब उसके फॉलोअर्स बढ़कर 28 हजार हो गए हैं। लोग उसके पुराने वीडियो भी देख रहे हैं। उसने विकास से विवाद को लेकर भी 30 वीडियो शेयर किए थे।

यह था पूरा मामला

मेरठ के सरूरपुर के कस्बा हर्रा में शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और ब्यूटी पार्लर संचालिका निशा चौहान की उनके पति प्रदीप चौहान ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। बीच-बचाव में आया 17 वर्षीय बेटा देव भी चाकू लगने से घायल हो गया। वारदात के बाद प्रदीप ने खुद को भी चाकू मारकर जान देने की कोशिश की। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने निशा के भाई अंकित की तहरीर पर प्रदीप चौहान, उसके चचेरे भाई विकास और मामा के बेटे राहुल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच प्लॉट के बैनामे और गली में गेट लगाने को लेकर विवाद हुआ था।

इन्फ्लुएंसर निशा का पड़ोस में रहने वाले प्रदीप के चचेरे भाई विकास से गली के रास्ते पर गेट निकलवाने को लेकर विवाद चल रहा था। उसने कई बार एसडीएम और सीओ से इसकी शिकायत की। कई बार वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर वायरल किया लेकिन समाधान नहीं निकला।

आरोप है कि बृहस्पतिवार रात विकास ने अपने मामा के बेटे राहुल के साथ मिलकर अपने घर का तीसरा गेट निशा के ब्यूटी पार्लर के सामने लगवा दिया। शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे जब निशा ने नया गेट देखा तो उसका वीडियो बना लिया। तहरीर के अनुसार इसके बाद विकास और राहुल ने प्रदीप को उकसा दिया। इस पर पति-पत्नी के बीच प्लॉट के बैनामे और गेट विवाद को लेकर कहासुनी होने लगी। आरोप है कि इसी दौरान प्रदीप ने आपा खो दिया। वह किचन से चाकू लेकर दौड़ा और निशा को जमीन पर गिराकर उसके चेहरे, गर्दन, छाती व हाथ पर लगभग 10 वार कर दिए। आरोप है कि प्रदीप निशा के शरीर पर उसकी मौत होने तक वार करता रहा। बचाव में आए दंपती के 17 वर्षीय बेटे देव के हाथ में भी चाकू लग गया। पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

पीड़ित परिजनों से मिले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के धनेजा गांव में ननिहाल में रह रही चार वर्षीय मासूम बच्ची को अगवा और बलात्कार कर हत्या किए जाने की घटना को सुनकर पीड़ित परिजनों के घर शोक संवेदना व्यक्त करने सोमवार को कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय जी पार्टी प्रतिनिधियों के साथ पहुंच कर पीड़ित परिजनों से मिलकर दुख दर्द बांटा और शोक संवेदना व्यक्त की। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने मासूम बच्ची के साथ हुए हैवानियत की चर्चा करते हुए कहा कि परे प्रदेश में कानून का भय खत्म हो गया है, महिलाएं और छोटी छोटी नाबालिग बच्चियां भी सुरक्षित नहीं है। सरकार की विफलताओं का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश की पहचान अपराध, चोरी और डकैती और बलात्कार के क्षेत्र में पहले नम्बर पर होता जा रहा है। कहा कि जब भगवान राम सुरक्षित नहीं है तो प्रदेश कैसे सुरक्षित रहेगा। राम मंदिर अयोध्या में हुए चंदा और चढ़ावे चोरी का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार के शहर और संरक्षण पर हिंदूओं की आस्था के साथ खिलवाड़ किया गया और भगवान श्रीराम को जमकर लूटा गया। उन्होंने प्रदेश सरकार पर राममंदिर के लुटेरों को बचाने का आरोप लगाते हुए कहा कि चंदा चोरी के असली गुनहगार चंपतराय बंसल , अनिल मिश्रा, नृपेन्द्र मिश्रा और गोपाल राव को बचाया जा रहा है, किंतु उत्तर प्रदेश की जनता भगवान राम के साथ चंदा और चढ़ावा करने चोरी करने वाली भाजपा को माफ नहीं करेगी।

सिया सोनम और रूबी से भी दो कदम आगे : पति को कांच पिलाया, बिस्तर पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी...खौफनाक कबूलनामा

आर्यावर्त संवाददाता

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के तारापुर असवार गांव में आग लगाकर पति की हत्या के मामले में जेल गई पत्नी के दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। वायरल वीडियो में महिला कह रही है कि पड़ोस की एक महिला ने उसे पति की हत्या के कई तरीके बताए थे। हालांकि संवाद न्यूज एजेंसी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करती है।

पति की प्रताड़ना से परेशान होने पर उसके बताए तरीके अक्सर उसके जेहन में आते थे। घटना वाले दिन भी पति मारपीट करने के बाद नशे में सो गया था। तभी उसने आग लगा दी और बाहर निकल गई। गांव निवासी अवधेश उर्फ पवन (40) का 26 जून को बंद कमरे में जला शव मिला था। कमरे में आसपास का सामान सुरक्षित होने से आग लगाए जाने की आशंका जताई गई थी। गैरप्रांत में रहने वाले भाई राजकुमार ने हत्या का

आरोप लगाया था। जांच के बाद पुलिस ने पत्नी प्रीति उर्फ विनीता देवी को आरोपी पाया।

शराब के लिए रुपये न देने पर गाली-गलौज और मारपीट से परेशान होकर पति को आग लगाने के आरोप में पुलिस ने तीन जुलाई को प्रीति को जेल भेज दिया था। जेल भेजे जाने के बाद वायरल हुए एक वीडियो में प्रीति घर पर एक महिला के सामने हत्या की बात कबूल कर रही है। दूसरा वीडियो थाने का बताया जा रहा है। इसमें महिला पुलिसकर्मी उससे पूछताछ कर रही है।

वीडियो में प्रीति कह रही है कि उसका पति शराब का आदी था और अक्सर उसके साथ मारपीट करता था। जान बचाने के लिए वह कई बार दूसरे घरों में छिप जाती थी। उसकी हालत देखकर पड़ोस की एक महिला ने कई बार पति को मारने के तरीके बताए। कभी कांच पीसकर पिला देने तो कभी नशे में सोते समय आग लगा देने की बात कही ताकि लोग इसे आत्महत्या समझें।

घटना वाले दिन पति ने पहले खाना मांगा फिर काम पर जाने के लिए 100 रुपये मांगे। रुपये न होने पर उसने घर में तोड़फोड़ की और उसके साथ मारपीट की। पड़ोसी से रुपये लेकर उसने पति को दिए। काम पर बुलाने उसका मालिक भी आया लेकिन नशे में होने के कारण वह नहीं गया। कुछ देर बाद वह घर आकर बिस्तर पर बेसुध सो गया। तभी उसे पड़ोसी महिला की बातें याद आईं और उसने घर में रखा पेट्रोल बिस्तर पर छिड़ककर आग लगा दी। कुछ देर के लिए पति उठा फिर गिर पड़ा। इसके बाद वह दरवाजा बंद कर बाहर चली गई। प्रभारी निरीक्षक राजीव मिश्रा ने बताया कि महिलाओं के बीच इस तरह की बातें होती रहती हैं। आरोपी महिला के बयान को ठोस साक्ष्य नहीं माना जा सकता। विवेचना के दौरान साक्ष्य मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अफेयर, शादी और हत्या : प्रेमी संग मिलकर नातिन ने इसलिए किया दादा का कत्ल, लाश के साथ किया ये घिनौना काम

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद। थाना इलाके के गांव मोहम्मदाबाद में 24 जून की रात बुजुर्ग ब्रह्मऋषि (70) के जले हुए शव मिलने का सनसनीखेज मामला हत्या का निकला है। ब्रह्मऋषि की नातिन रश्मि ने अपने प्रेमी विपिन के साथ मिलकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर प्रेमी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू और खून से सने कपड़े बरामद किए हैं।

सीओ अरुण कुमार चौरसिया ने बताया कि मृतक ब्रह्मऋषि की नातिन रश्मि का शिकोहाबाद निवासी विपिन के साथ काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। रश्मि विपिन से ही शादी करना चाहती थी, लेकिन उसके बाबा को यह कतई मंजूर नहीं था। बाबा ने रश्मि की शादी दूसरी जगह तय कर

दी थी और 6 जुलाई को उसकी बरात आनी थी।

रश्मि इस शादी से खासी नाराज थी। उसने विरोध भी किया, लेकिन जब बाबा नहीं माने, तो उसने प्रेमी के साथ मिलकर उन्हें रास्ते से हटाने की खौफनाक योजना बना डाली। पुलिस पूछताछ में आरोपी प्रेमी विपिन निवासी डाहिनी, थाना शिकोहाबाद ने जुर्म कबूलते हुए बताया कि योजना के मुताबिक, 24 जून की रात करीब 12 बजे वह मोहम्मदाबाद पहुंचा।

वहां चारदीवारी वाले प्लॉट में सो रहे बुजुर्ग ब्रह्मऋषि पर उसने चाकू से ताबड़तोड़ तीन वार किए, जिससे बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद हत्या को हादसे का रूप देने और साक्ष्य मिटाने के लिए विपिन ने तख्त पर पड़े गद्दे और चारपाई को शव के ऊपर डालकर आग लगा दी। वारदात के बाद वह खून से सने कपड़ों को रेलवे कॉलोनी के खंडहर में छिपाकर भाग निकला था।

गले पर कट के निशान और फर्जी सुसाइड नोट ने खोल दी पोल

शुरुआती जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण आग से जलना ही सामने आया था, जिससे पुलिस इसे शॉर्ट सर्किट मान रही थी। लेकिन इसी बीच परिजन ने पुलिस को एक सुसाइड नोट सौंप दिया। जब पुलिस ने बुजुर्ग के गले पर कटे हुए निशान और उस सुसाइड नोट का बारीकी परीक्षण किया, तो शक की सुई घूम गई।

जांच में पता चला कि सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग बुजुर्ग की न होकर उनकी नातिन रश्मि की थी। पुलिस ने जब रश्मि को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की, तो उसने पूरा सच उगल दिया। नातिन रश्मि ने बेहद शातिर तरीके से अपने दादा के नाम से फर्जी सुसाइड नोट लिखा था, ताकि पुलिस इसे आत्महत्या समझे।

सुसाइड नोट में उसने लिखवाया था कि ब्रह्मऋषि अपनी मौत का जिम्मेदार खुद को मान रहे हैं और अपनी संपत्ति को दोनों बेटों दिनेश व मुनिंद्र में बराबर बांटने की बात कह रहे हैं। साथ ही उसमें नातिन रश्मि की मनमर्जी से शादी कराने का भी झूठा जिक्र किया गया था, ताकि किसी को शक न हो।

टावर के पास से दबोचे गए दोनों हत्यारोपी

पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रेमी विपिन को शनिवार दोपहर करीब 12:40 बजे बन्ना रोड टॉवर के पास से गिरफ्तार किया। वहीं, साजिशकर्ता नातिन रश्मि को रविवार सुबह साढ़े आठ बजे मोहम्मदाबाद स्थित घर के बाहर से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने मृतक की पत्नी की तहरीर पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

पैसे लेकर टिकट देने प्रकरण की हो जांच : संतोष मिश्रा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। विधानसभा चुनाव में कथित रूप से पैसे लेकर टिकट देने के मामलों को लेकर स्वराज वाहिनी एसोसिएशन ने राजनीतिक दलों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संगठन ने भारत निर्वाचन आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र भेजकर ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषी राजनीतिक दलों और पदाधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। स्वराज वाहिनी एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष कुमार मिश्रा सोमवार को नगर एक होटल पत्रकार वार्ता में कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कथित वीडियो और ऑडियो में विभिन्न क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों द्वारा टिकट के बदले करोड़ों रुपये लेने-देने की बातें सामने आई हैं। यदि इनकी सत्यता साबित

होती है तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था, निष्पक्ष चुनाव और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की भावना के विपरीत है।उन्होंने निर्वाचन आयोग से मांग की कि वायरल वीडियो की फॉरेंसिक जांच कराई जाए, इसमें शामिल सभी व्यक्तियों और राजनीतिक दलों की भूमिका की निष्पक्ष जांच हो तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता बनाए रखने के लिए ऐसे मामलों पर प्रभावी रोक लगाने हेतु सख्त दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निर्वाचन आयोग ने इस गंभीर मामले पर समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो स्वराज वाहिनी एसोसिएशन न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी। उन्होंने कहा, ष्हम लोकतंत्र को धनबल के प्रभाव से बचाने के लिए उच्च न्यायालय और आवश्यकता पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगे। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य किसी राजनीतिक दल को निशाना बनाना नहीं, बल्कि चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और भ्रष्टाचारमुक्त बनाना है, ताकि योग्य और ईमानदार उम्मीदवारों को निष्पक्ष अवसर मिल सके।

कानपुर के उपभोक्ता ने 'बाम' के 24 रुपये के लिए लड़ी पांच साल तक लड़ाई, अब मिलेगा 40 हजार हर्जाना

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने मेडिकल स्टोर और कंपनी को बाम की कीमत 24 रुपये सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लौटाने तथा मानसिक पीड़ा और मुकदमे के खर्च के लिए 40,000 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया। ब्याज मुकदमा दाखिल करने की तारीख से भुगतान की तिथि तक देना होगा।

राजीव पुरम के रहने वाले सुधीन्द्र मिश्रा ने 25 अगस्त 2020 को पैर दर्द से राहत पाने के लिए रावतपुर गांव के आदर्श मेडिकल स्टोर से 12-12 रुपये के दो 'फास्ट रिलीफ पेन किलर बाम' खरीदे थे। घर आकर जब उन्होंने प्लास्टिक पाउच खोला, तो उनके होश उड़ गए।

डिब्बियों के न तो ढक्कन थे और न ही उनके भीतर बाम था। दुकानदार से शिकायत करने पर उसने कंपनी का मामला बताकर पल्ला झाड़ लिया और पैसे लौटाने से साफ मना कर दिया।

बार-बार चक्कर काटने से परेशान होकर सुधीन्द्र ने हार नहीं मानी और 5 जुलाई 2021 को मेडिकल स्टोर के प्रोपराइटर और नामी कंपनी इमामी लिमिटेड के निदेशक के खिलाफ उपभोक्ता आयोग में मुकदमा ठोक दिया।

मेडिकल स्टोर के प्रोपाराइटर ने आयोग में जवाब दाखिल किया कि न तो वह यह प्रोडक्ट बनाता है और न पैक करता है। कंपनी ने आयोग में अपना पक्ष रखा कि डिफेक्टिव माल की शिकायत मिलने पर त्वरित राहत दी जाती है।

अगर बाम की डिब्बी खाली थी तो विपक्षी को उसके सेंटर क्वॉलिटी एश्योरेंस विभाग में शिकायत करनी चाहिए थी। विपक्षी ने इस तरह की कोई शिकायत नहीं की। आयोग के अध्यक्ष विनोद कुमार, सदस्य नीलम यादव और वन्दना सिंह की पीठ ने इन दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया। आयोग ने आदेश दिया कि विपक्षी उपभोक्ता को 24 रुपये मुकदमा दाखिल करने की तारीख से 7 प्रतिशत ब्याज के साथ लौटाएं। इसके साथ ही, उपभोक्ता को हुई मानसिक प्रताड़ना और मुकदमा खर्च के एवज में 40,000 रुपये की क्षतिपूर्ति राशि अदा करने का भी आदेश दिया गया है।

आयोग ने बेहद सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि मेडिकल स्टोर के प्रोपराइटर और कंपनी द्वारा बाम की खाली डिब्बी निकलने के बाद भी पैसे न लौटाना सीधे तौर पर 'सेवा में कमी' है। कंपनी यह कहकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकती कि ग्राहक को उनके एश्योरेंस विभाग जाना चाहिए था। चूंकि दोनों में से कोई भी पक्ष ऐसा साक्ष्य पेश नहीं कर सका, जिससे वादी के दावे गलत साबित हों, इसलिए उन्हें दोषी माना गया।

अखंड भारत के प्रति समर्पित रहे श्यामा प्रसाद मुखर्जी

जौनपुर। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के उपलक्ष्य में संगोष्ठी आयोजित की मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय ने कहा कि आज हम सब महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनके आदर्शों को याद करने के लिए एकत्रित हुए हैं। कहा कि उनका पूरा जीवन राष्ट्र को समर्पित था बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में उनकी भूमिका अविस्मरणीय है जम्मू-कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए उन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया। जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, अदम्य साहस और अखंड भारत के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक है राष्ट्र की एकता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए उनके द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान ने भारतीय राजनीति की दिशा बदल दी।

वाराणसी दालमंडी सड़क चौड़ीकरण में अब तक 105 मकान पूरी तरह ध्वस्त, बाकी मकानों पर जल्द होगी कार्रवाई

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। दालमंडी सड़क चौड़ीकरण परियोजना के लिए बाधा बने भवनों को हटाने का अभियान तेज कर दिया गया है। जिला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) और नगर निगम की संयुक्त टीम पुलिस बल की मौजूदगी में लगातार ध्वस्तीकरण कर रही है।

इसका उद्देश्य मानसून से पहले सड़क निर्माण का रास्ता पूरी तरह साफ करना है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सड़क की जद में आने वाले भवनों के प्रभावित हिस्सों को बुलडोजर और पोकलेन की मदद से तेजी से हटाया जा रहा है। इस कार्य में 200 मजदूर कई पाली में लगे हुए हैं।

ध्वस्तीकरण के साथ-साथ मलबा हटाने का कार्य भी समानांतर चल रहा है, जिससे निर्माण कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो। चौड़ीकरण परियोजना की जद में कुल 181 भवन और छह धार्मिक स्थल आए हैं। इनमें से अब तक 105 मकानों को पूरी तरह ध्वस्त किया जा चुका है, जबकि 80 भवनों का मलबा हटाकर जमीन समतल कर दी गई है।

मालूम हो कि बीते एक जुलाई से पांच मस्जिदों- करीमुल्ला बेग, निसारन, अली रजा खान, संगमरमर और रंगीले शाह मस्जिद की कमेटियां आपसी सहमति से खुद मजदूर लगाकर सड़क की जद में आने वाले हिस्सों को हटा रही हैं। वहीं, तीन जुलाई से वीडीए सात मकानों के ध्वस्तीकरण में जुटा है।

दालमंडी क्षेत्र में ध्वस्तीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। विभागीय कर्मियों के अनुसार, रोजाना 100 ट्रैक्टर-ट्राली से अधिक मलबा निकाला जा रहा है। ध्वस्त किए गए एक-एक मकान से चार से पांच टन मलबा इकट्ठा हो रहा है।

दालमंडी सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत ध्वस्तीकरण का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिससे क्षेत्र में यातायात की सुविधा में सुधार होगा। प्रशासन का प्रयास है कि मानसून से पहले सभी बाधाएं हटा दी जाएं, ताकि निर्माण कार्य में कोई रुकावट न आए। इस परियोजना के तहत स्थानीय निवासियों को भी सहयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि सभी मिलकर इस विकास कार्य को सफल बना सकें।

शरीर दे रहा है ये संकेत, तो समझ जाइए माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की हो गई है कमी

फास्ट फूड, प्रोसेस्ड फूड और एक जैसी डाइट की वजह से माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी तेजी से बढ़ रही है। खास बात यह है कि इनकी जरूरत बहुत कम मात्रा में होती है, लेकिन शरीर में इनका महत्व बेहद बड़ा होता है।

अच्छी सेहत के लिए खान-पान को ठीक रखना सबसे जरूरी माना जाता है। हम जिस तरह की चीजें खाते-पीते हैं उसका सीधे तौर पर सेहत पर असर होता है। पौष्टिक आहार शरीर के लिए जरूरी विटामिन्स और पोषक तत्वों की पूर्ति करते हैं। हालांकि जिस तरह से लोगों का खान-पान गड़बड़ होता जा रहा है, फास्ट फूड, प्रोसेस्ड फूड और तली -भुनी चीजों का सेवन बढ़ रहा है, इसने शरीर में कई जरूरी न्यूट्रिशन की कमी पैदा कर दी है।

कई अध्ययन इस बात को लेकर चिंता जताते रहे है कि लोगों में माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी तेजी से बढ़ती जा रही है। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की जरूरत हमें बहुत कम मात्रा में होती है, लेकिन शरीर में इनका काफी महत्व होता है। विटामिन और मिनरल्स की यही छोटी-सी मात्रा इम्युनिटी मजबूत रखने, दिमाग को सक्रिय रखने, हड्डियों को मजबूत बनाने और हार्मोन्स को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं।

माइक्रोन्यूट्रिएंट्स शरीर के लिए जरूरी

क्या आप रोज भरपेट भोजन करते हैं फिर भी हर समय थकान रहती है? बाल तेजी से झड़ रहे हैं, हड्डियों में दर्द रहता है या याददाश्त पहले जैसी नहीं रही? अगर ऐसा है, तो संभव है कि आपके शरीर को कैलोरी तो मिल रही हो, लेकिन वे छोटे-छोटे पोषक तत्व नहीं मिल रहे जिनके बिना शरीर ठीक से काम ही नहीं कर सकता।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार आयोडीन, जिंक और विटामिन डी की कमी दुनिया भर में सबसे आम पोषण संबंधी समस्याओं में शामिल हैं। भारत में भी महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं में इनकी कमी बड़ी चिंता का विषय है।

कहीं आपमें आयरन की कमी तो नहीं?

आयरन हमारे शरीर के लिए जरूरी माइक्रोन्यूट्रिएंट है, ये हीमोग्लोबिन बनाने में मदद करता है। हीमोग्लोबिन एक प्रकार का प्रोटीन है जो शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचाता है।

आयरन की कमी से एनीमिया, लगातार थकान, कमजोरी, चक्कर आने, सांस फूलने, सिरदर्द जैसी दिक्कतें हो सकती है।

महिलाओं, किशोरियों और गर्भवती महिलाओं में इसकी कमी अधिक देखी जाती है।

आयरन की पूर्ति के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, चना, राजमा, गुड़ को फायदेमंद माना जाता है।

हाथ-पैरों में झुनझुनी और याददाश्त की समस्या से हैं परेशान?

क्या आप भी कुछ समय से हाथ-पैरों में झुनझुनी, कमजोरी, याददाश्त कमजोर होना, चक्कर आने जैसी समस्याओं से परेशान हैं? ये विटामिन-बी 12 की कमी का संकेत हो सकता है।

विटामिन बी12 लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण, डीएनए संश्लेषण और तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है।

शाकाहारी लोगों में इसकी कमी का खतरा अधिक होता है क्योंकि यह मुख्य रूप से पशु-आधारित खाद्य पदार्थों में पाया जाता है।

दूध, दही, पनीर, अंडे, मछली और मांस इसके अच्छे स्रोत हैं।

कहीं आपमें जिंक की कमी तो नहीं?

जिंक शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए जरूरी माइक्रोन्यूट्रिएंट है। इसके अलावा घाव भरने की प्रक्रिया, त्वचा को स्वस्थ रखने, स्वाद और सूंघने की क्षमता के अलावा बच्चों की सामान्य वृद्धि के लिए भी ये जरूरी है।

जिन लोगों में जिंक की कमी होते है उनमें बार-बार संक्रमण होने, घाव देर से भरने, बाल झड़ने, भूख कम लगने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

कद्दू के बीज, तिल, मूंगफली, चना-राजमा से जिंक की पूर्ति हो सकती है।

आयोडीन की कमी का खतरा

आयोडीन थायरॉइड हार्मोन बनाने के लिए आवश्यक है। इसकी कमी से घेंघा, थायरॉइड हार्मोन की कमी, थकान, वजन बढ़ने, ठंड ज्यादा लगने का खतरा रहता है।

बच्चों में मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए भी ये जरूरी माइक्रोन्यूट्रिएंट है।

आयोडीन की कमी को रोकने के लिए आयोडीन युक्त नमक का उपयोग सबसे प्रभावी माना जाता है।

इसके अलावा मछली, डेयरी उत्पाद और अंडे से भी इसकी कमी की पूर्ति हो सकती है।

बारिश में मलेरिया का खतरा, बच्चे होते हैं सबसे ज्यादा शिकार, डॉक्टरों ने बताए शुरुआती संकेत

मलेरिया पूरी तरह से रोकी जा सकने वाली बीमारी है। यदि माता-पिता इसके शुरुआती संकेतों को पहचान लें, मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाएं और समय पर डॉक्टर से संपर्क करें, तो बच्चों को गंभीर स्थिति से बचाया जा सकता है।

बारिश का मौसम गर्मी से राहत दिलाने वाला होता है, लेकिन इन दिनों में सेहत को लेकर सावधानी बहुत जरूरी हो जाती है। बारिश और जगह-जगह जलजमाव के कारण मच्छर जनित रोगों का खतरा काफी बढ़ जाता है। यही कारण है कि इन दिनों में डेंगू-मलेरिया और चिकनगुनिया के मामले तेजी से बढ़ जाते हैं।

मलेरिया की बीमारी वैसे तो किसी को भी हो सकती है। पर बच्चों में इसका खतरा सबसे ज्यादा देखा जाता रहा है। बच्चे खेलते समय बाहर ज्यादा समय बिताते हैं, उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी पूरी तरह विकसित नहीं होती और कई बार वे अपने लक्षण ठीक से बता भी नहीं पाते। यही वजह है कि बच्चों में मलेरिया की पहचान देर से होती है और बीमारी तेजी से गंभीर रूप ले सकती है। बच्चों के अलावा गर्भवती महिलाओं के लिए भी इस बीमारी को जानलेवा माना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अच्छी बात ये है कि मलेरिया पूरी तरह से रोकी जा सकने वाली बीमारी है। यदि माता-पिता इसके शुरुआती संकेतों को पहचान लें, मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाएं तो बच्चों में इस बीमारी के खतरे को काफी कम किया जा सकता है।

बच्चों में मलेरिया का खतरा

अध्ययनों से पता चलता है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों में मलेरिया का खतरा वयस्कों की तुलना में अधिक माना जाता है। इसका मुख्य कारण उनकी विकसित होती इम्युनिटी है, जो संक्रमण से प्रभावी ढंग से लड़ने में अभी पूरी तरह सक्षम नहीं होती।

यदि बच्चा पहली बार मलेरिया परजीवी के संपर्क में आता है, तो बीमारी तेजी से गंभीर हो सकती है।

कुपोषित बच्चों या जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है, उनमें जोखिम और बढ़ जाता है।

अगर आपके घर के आसपास गंदा पानी जमा रहता है, साफ-सफाई की कमी है तो ये स्थितियां आपमें भी इस बीमारी के जोखिमों को बढ़ाने वाली हो सकती हैं।

बच्चों में मलेरिया की पहचान कैसे करें?

डॉक्टर कहते हैं, मलेरिया की शुरुआत सामान्य वायरल बुखार जैसे लक्षणों के साथ होती है।

इसके अलावा बच्चे को तेज बुखार, ठंड लगने-कंपकंपी, अत्यधिक पसीना आने, सिरदर्द और कमजोरी जैसी दिक्कतें भी हो सकती हैं।

छोटे बच्चों में चिड़चिड़ापन, लगातार रोना, दूध न पीना या सुस्ती भी संकेत हो सकता है कि शरीर स्वस्थ नहीं है।

यदि आप ऐसी जगहों पर रहते हैं जहां मलेरिया का खतरा ज्यादा है, तो इन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

क्या हो सकते हैं इसके खतरे?

यदि मलेरिया का इलाज समय पर न मिले तो बीमारी गंभीर रूप ले सकती है।

बच्चे में मलेरिया के कारण दौरे पड़ने, बेहोशी, सांस लेने में परेशानी, किडनी-लिवर पर भी असर हो सकता है।

गंभीर संक्रमण में शरीर के कई अंग प्रभावित हो सकते हैं। छोटे बच्चों में यह स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है।

अधिकांश मामलों में समय पर इलाज शुरू होने पर बच्चा पूरी तरह ठीक हो जाता है। हालांकि दवा का पूरा कोर्स करना बेहद जरूरी है।

बच्चों को मलेरिया से कैसे बचाएं?

मलेरिया से बचाव के लिए मच्छरों को पनपने से रोकना और मच्छरों से बचाव करना सबसे जरूरी माना जाता है।

बच्चों को रात में मच्छरदानी के अंदर सुलाएं। पूरी बांह के कपड़े पहनाएं और मच्छरों को भगाने वाले तरीके अपनाएं।

घर के आसपास पानी जमा न होने दें। कूलर, गमले, टायर और टंकियों की नियमित सफाई करें।

खिड़कियों पर जाली लगाएं और घर के आसपास स्वच्छता बनाए रखें।

हरे या काले, कौन से अंगूर हैं ज्यादा पौष्टिक? आयुर्वेद से जानें दोनों के औषधीय लाभ

अंगूर बहुतायत मात्रा में आसानी से मिल जाते हैं। अंगूर केवल स्वादिष्ट फल नहीं है, बल्कि कई औषधीय गुणों से भरपूर हैं। अंगूर को आयुर्वेद में द्राक्षा कहा जाता है, जो शरीर को शीतलता और पोषण दोनों देता है। हरा अंगूर शरीर में जल-संतुलन और पित्त शमन में सहायक माना जाता है, जबकि काला अंगूर रक्त को पोषण देने और थकान से उबरने में उपयोगी बताया गया है। वहीं विज्ञान ने भी अंगूर को विटामिन से भरपूर पाया है, जो मस्तिष्क से लेकर हृदय तक के लिए लाभकारी है। यह कोशिकाओं की रक्षा करता है और शरीर में ऊर्जा का प्रसार भी तेजी से करता है।

पहले विस्तार में बात करते हैं हरे अंगूर की। हरे अंगूर स्वाद में मधुर और पाचन में हल्के होते हैं। हरे अंगूर में पित्त को शांत करने की क्षमता होती है। यह शरीर में गर्मियों में होने वाले निर्जलीकरण से बचाते हैं और पेट में होने वाली जलन को भी कम करते हैं। अगर गर्मी में लू लगने का खतरा लगता है, तब भी अंगूर का सेवन गर्म हवा से सुरक्षा प्रदान करता है।

वहीं काले अंगूर हरे अंगूर की तुलना में ज्यादा पौष्टिक और औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। काले अंगूर का सेवन शरीर में रक्त की मात्रा को बढ़ाता है और बल भी प्रदान करता है। काले अंगूर स्किन को साफ करने और बालों को चमकदार बनाने में भी सहायक हैं। काले अंगूर में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं तो शरीर की आंतरिक कमजोरी और थकावट को भी दूर करते हैं और विटामिन सी और ई मिलकर बालों और स्किन को निखारने का काम करते हैं।

अब सवाल है कि अंगूर खाने का सही समय क्या है। वैसे आमतौर पर फल को कभी भी खा लिया जाता है, जो गलत है। अंगूर का सेवन सुबह और दोपहर में कर सकते हैं। लेकिन ध्यान रखने वाली बात यह है कि अंगूर का सेवन खाली पेट नहीं करना चाहिए। विटामिन सी होने की वजह से ये पेट में जलन पैदा कर सकते हैं।

एनर्जी ड्रिंक कंपनियों पर कार्रवाई, जानिए क्या हैं एफएसएसएआई नियम, कितना है इसका कारोबार

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने फूड और बेवरेज इंडस्ट्री के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है, जिससे मार्केट में हलचल मच गई है। एफएसएसएआई ने पिछले कुछ दिनों में कुल 14 कंपनियों को नोटिस जारी किए हैं। इनमें 8 ऐसी कंपनियां शामिल हैं, जो अपने फूड प्रोडक्ट्स के नाम और विज्ञापनों में भ्रामक दावे कर रही थीं, जबकि 6 बड़े ब्रांड्स ऐसे थे, जो एनर्जी ड्रिंक के नाम पर ग्राहकों को गुमराह कर रहे थे। यह कार्रवाई इस बात का संकेत है कि रेगुलेटर अब फूड सेफ्टी और विज्ञापनों में पारदर्शिता को लेकर किसी तरह का समझौता करने के मूड में नहीं है। इस कार्रवाई के बाद से ही भारत में पॉपुलर एनर्जी ड्रिंक्स पर चर्चा शुरू हुई है। आइए हम आपको बताते हैं कि भारत और ग्लोबल मार्केट में एनर्जी ड्रिंक्स का कारोबार कितने का है साथ ही ये भी जानेंगे की FSSAI के वे कौन से नियम हैं जो फूड कंपनियों को मानने जरूरी होते हैं।

भारत में एनर्जी ड्रिंक का बाजार पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में, जहाँ लोग कम समय में अधिक उत्पादकता चाहते हैं, एनर्जी ड्रिंक्स 'क्विक फिक्स' के रूप में देखे जाते हैं। मल्टीनेशनल कंपनियों से लेकर देसी ब्रांड्स तक, हर कोई इस बढ़ती मांग का लाभ उठाने की होड़ में है। हालांकि, यह कारोबार केवल ऊर्जा के नाम पर नहीं, बल्कि आकर्षक पैकेजिंग और आक्रामक मार्केटिंग के सहारे खड़ा है। दुनियाभर में एनर्जी ड्रिंक्स का कारोबार बहुत बड़ा है और तेजी से बढ़ रहा है। ग्रैंड व्यू रिसर्च के मुताबिक, इस इंडस्ट्री की वैल्यू फिलहाल करीब 85 से 92 बिलियन डॉलर यानी लगभग 8।1 से 8।8 लाख करोड़ रुपये है। अनुमान है कि 2033 तक यह बढ़कर 158 बिलियन डॉलर, यानी करीब 15।1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो जाएगा।

भारत का एनर्जी ड्रिंक्स कारोबार

अगर भारत में एनर्जी ड्रिंक्स के मार्केट की बात करें तो इस पर मॉर्डर इंटेलिजेंस की एक रिपोर्ट है, जिसके मुताबित, देश का एनर्जी ड्रिंक मार्केट फिलहाल करीब 0।75 से 1।5 बिलियन डॉलर यानी लगभग 7,164 करोड़ से 14,328 करोड़ रुपये का है। भारतीय रुपये में यह कारोबार करीब 0।07 से 0।14 लाख करोड़ रुपये बैठता है। इस तेजी की बड़ी वजह शहरों में बढ़ती युवा आबादी, फिटनेस और हेल्थ को लेकर बढ़ती जागरूकता और बड़े शहरों में तेजी से बढ़ रही गिग और मोबाइल वर्कफोर्स है।

प्रोडक्ट सेगमेंट-साल 2025 में पारंपरिक एनर्जी ड्रिंक्स 32।56% मार्केट शेयर के साथ सबसे आगे रहे, जबकि नेचुरल और ऑर्गेनिक ड्रिंक्स के कारोबार में 2031 तक 4।21% CAGR की दर से बढ़ोतरी होने का अनुमान है।

पैकेजिंग ट्रेंड-साल 2025 में कुल मार्केट का 51।25% हिस्सा PET बोतलों के पास रहा, वहीं ग्लास बोतलें 3।79% CAGR की ग्रोथ रेट के साथ सबसे तेजी से उभरने वाला पैकेजिंग फॉर्मेट बनकर सामने आई हैं।

सेल्स चैनल- साल 2025 में ऑफ-ट्रेड चैनल (स्टोर/ऑनलाइन) ने मार्केट के 65।38% हिस्से पर कब्जा बनाए रखा, जबकि ऑन-ट्रेड चैनल (होटल/बार/कैफे) 2031 तक 4।48% CAGR की दर से तेजी से बढ़ने के लिए तैयार हैं।

FSSAI के नियम क्या हैं?

अभी जो FSSAI ने जो कार्रवाई की है। इसमें उसकी ओर से निर्धारित कुछ नियमों को न मानने की बात सामने आई है। आइए इसी के साथ ही FSSAI के नियमों को भी जान लेते हैं। FSSAI ने 'खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006' के तहत सख्त प्रावधान बनाए हैं।

भ्रामक विज्ञापन और दावे- कोई भी कंपनी अपने प्रोडक्ट के बारे में ऐसे दावे नहीं कर सकती, जो साइंटिफिक तौर पर साबित न हुए हों। उदाहरण के लिए, अगर कोई ब्रेड खुद को 'जीरो मैदा' बताती है, तो उसमें मैदा का एक हिस्सा भी नहीं होना चाहिए।

मेडिकल और फंक्शनल दावे- किसी फूड प्रोडक्ट को 'बीमारी ठीक करने वाला', 'दिमाग तेज करने वाला' या 'तुरंत एनर्जी देने वाला' जैसे दावे करने से पहले फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) से मंजूरी लेनी होती है। एनर्जी ड्रिंक्स के मामले में 'फोकस बढ़ाने' या 'एनर्जी लेवल बढ़ाने' जैसे दावे बिना साइंटिफिक सबूत के नियमों का सीधा उल्लंघन माने जाते हैं।

लेबलिंग और नामकरण- किसी ब्रांड का नाम ऐसा नहीं हो सकता, जिससे ग्राहकों को गलतफहमी हो। उदाहरण के लिए, अगर किसी प्रोडक्ट के नाम में 'हेल्दी' लिखा है, तो उसे सच में हेल्थ स्टैंडर्ड्स पर खरा उतरना चाहिए।

वीगन सर्टिफिकेशन- अगर कोई कंपनी अपने प्रोडक्ट को 'वीगन' बताती है, तो उसके लिए एफएसएसएआई से खास लाइसेंस लेना जरूरी होता है।

20 दिनों में 14 कंपनियों पर गिरी गाज

फूड रेगुलेटर नियमों को लेकर काफी सख्त है। इसी का नतीजा है कि बीते 20 दिनों के भीरत 14 बड़ी और नामी कंपनियों पर एक्शन हो गया है। 6 एनर्जी ड्रिंक्स कंपनियों को नोटिस भेजते हुए फूड रेगुलेटर की ओर से कहा गया कि कई प्रोडक्ट्स के फंक्शनल और थेराप्यूटिक दावे सही नहीं मालूम होते हैं। साथ ही ये भी कहा कि "शरीर और दिमाग को ताजगी देना", "फोकस बढ़ाना", "एनर्जी लेवल बढ़ाना", "सामान्य कमजोरी में मदद करना" जैसे दावे फूड प्रोडक्ट्स के लिए मान्य नहीं हैं और ये नियमों के खिलाफ हैं।

इससे पहले 14 जून 2026 को FSSAI ने जिन कंपनियों को नोटिस भेजा, उनमें इमामी हेल्दी एंड टेस्टी, द हेल्थ फैक्ट्री, ट्रूवी, हेल्दी मास्टर, हेल्दी चॉइस, प्लान बी और न्यूहर्ब्स जैसे ब्रांड शामिल थे। इन पर आरोप है कि इनके ब्रांड नाम और दावे ग्राहकों को गुमराह कर सकते हैं। जैसे 'जीरो मैदा' बताकर बेची गई ब्रेड में ग्लूटेन मिलने या 'हेल्दी' टैग लगाकर ऐसे स्नैक्स बेचने के आरोप लगे, जो तय हेल्थ स्टैंडर्ड्स पर खरे नहीं उतरते थे।

नया फोन खरीदने का है प्लान तो रुकिए! सरकार दे सकती है बड़ा डिस्काउंट, जीएसटी रेट 5 फीसदी लाने पर विचार

वियतनाम, थाईलैंड, इंडोनेशिया और मलेशिया जैसे देशों ने अपेक्षाकृत कम टैक्स स्ट्रक्चर अपनाए हैं, जो मैन्युफैक्चरिंग में कॉम्पिटिटिवनेस बनाए रखते हुए ज्यादा लोगों द्वारा स्मार्टफोन अपनाने में मदद करते हैं। इसमें आगे कहा गया है कि किफायती स्मार्टफोन के लिए अलग जीएसटी फ्रेमवर्क को इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री के लिए टैक्स में छूट के तौर पर नहीं, बल्कि एक रणनीतिक पॉलिसी कदम के तौर पर देखा जाना चाहिए।

देश में 25,000 रुपए से कम कीमत वाले स्मार्टफोन पर जीएसटी को घटाकर पांच प्रतिशत करने और अधिक कीमत वाले उपकरणों पर 18 प्रतिशत की मौजूदा दर बनाए रखने का सुझाव दिया गया है। ग्रांट थॉर्नटन (जीटी) भारत और पॉलिसी वॉच इंडिया फाउंडेशन (पीडब्ल्यूआईएफ) ने संयुक्त रूप से तैयार एक रिपोर्ट में बुधवार को यह सुझाव दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि किफायती स्मार्टफोन पर टैक्स ढांचे की समीक्षा की जरूरत है, क्योंकि मौजूदा 18 फीसदी जीएसटी दर अब भारत की डिजिटल इकोनॉमी में स्मार्टफोन की बदलती भूमिका को सही ढंग से प्रतिबिंबित नहीं करती।

अध्ययन के अनुसार, इस तरह के टैक्स स्ट्रक्चर से पहली बार खरीदने वाले और मूल्य-संवेदनशील उपभोक्ताओं के लिए स्मार्टफोन अधिक किफायती हो जाएंगे। साथ ही यह सरकार के डिजिटल इंडिया, वित्तीय समावेशन और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लक्ष्यों को भी समर्थन देगा। इसमें इस बात पर ज़ोर दिया गया कि एंट्री-लेवल स्मार्टफोन और प्रीमियम डिवाइस पर एक ही GST दर लागू करने से उस सेगमेंट पर ज्यादा असर पड़ता है जो डिजिटल समावेश को बढ़ावा देता है।

क्या कहती है स्टडी?

GT Bharat-PWIF की स्टडी के अनुसार, 25,000 रुपए से कम कीमत वाले स्मार्टफोन का सेगमेंट – जो भारत में हैंडसेट शिपमेंट का लगभग दो-तिहाई हिस्सा है – मुख्य रूप से पहली बार खरीदने वालों, ग्रामीण परिवारों, महिलाओं, छात्रों और कम आय वाले ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करता है। स्टडी में यह भी कहा गया है कि लगभग 35 करोड़ भारतीय अभी भी फीचर फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो यह दिखाता है कि ज्यादा लोगों के डिजिटल दुनिया से जुड़ने में कीमत एक बड़ी बाधा बनी हुई है।

इस बात पर जोर देते हुए कि स्मार्टफोन को अब केवल मनपसंद कंज्यूमर प्रोडक्ट के बजाय डिजिटल दुनिया तक पहुंचने के शुरुआती जरिया के तौर पर देखा जाना चाहिए। पेपर में कहा गया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने वाली अन्य इकोनॉमीज की तुलना में भारत स्मार्टफोन पर सबसे ज्यादा इनडायरेक्ट टैक्स दरों में से एक लगाता है।

इन देशों में कम लगता है टैक्स

वियतनाम, थाईलैंड, इंडोनेशिया और मलेशिया जैसे देशों ने अपेक्षाकृत कम टैक्स स्ट्रक्चर अपनाए हैं, जो मैन्युफैक्चरिंग में कॉम्पिटिटिवनेस बनाए रखते हुए ज्यादा लोगों द्वारा स्मार्टफोन अपनाने में मदद करते हैं। इसमें आगे कहा गया है कि किफायती स्मार्टफोन के लिए अलग GST फ्रेमवर्क को इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री के लिए टैक्स में छूट के तौर पर नहीं, बल्कि एक रणनीतिक पॉलिसी कदम के तौर पर देखा जाना चाहिए। यह कदम टैक्स व्यवस्था को भारत के डिजिटल बदलाव, मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े लक्ष्यों और लंबे समय के आर्थिक उद्देश्यों के साथ जोड़ता है।

खामेनेई की अंतिम विदाई समारोह में भारत की मौजूदगी पर ईरान ने जताया आभार, कहा- यह दोस्ती कभी नहीं भूलेंगे

तेहरान, एजेंसी। ईरान दूतावास ने रविवार को पूर्व ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम विदाई समारोह में भाग लेने के लिए भारत सरकार और लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। ईरान ने कहा कि यह भाव दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और मानवीय संबंधों को दिखाता है। ईरानी दूतावास ने एक्स पर लिखा,'भारत गणराज्य में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का दूतावास भारत की मित्रवत सरकार और जनता, विशेष रूप से भारत सरकार और जनता की ओर से उपस्थित आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के प्रति हार्दिक आभार और प्रशंसा व्यक्त करता है। जिन्होंने इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के शहीद नेता, महामहिम अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम विदाई समारोह में भाग लिया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।'

ईरान के लोग क्या नहीं भूलेंगे?

भारत की भागीदारी की सराहना करते हुए दूतावास ने कहा, ईरान के लोग मित्रता, करुणा और हार्दिक सम्मान के इस भाव को कभी नहीं भूलेंगे। वे इसे इस्लामी गणराज्य ईरान और भारत गणराज्य के बीच अटूट संबंधों का एक अनमोल प्रमाण और हमारे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही मित्रता को और मजबूत करने के लिए एक अहम आधार मानते हैं।' पोस्ट में आगे कहा गया कि भारत में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का दूतावास एक बार फिर उन सभी भारतीय अधिकारियों, प्रतिष्ठित व्यक्तियों और भारत के नेक लोगों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है, जो इस दुख की घड़ी में ईरान के लोगों के साथ खड़े रहे और उनके प्रति सहानुभूति व्यक्त की।'

भारत की ओर से कौन शामिल हुआ?

विदेश मामलों की राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा और बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने तेहरान में आयोजित अंतिम विदाई समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, जो अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए थे, उन्होंने खामेनेई को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं, जम्मू और कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती, जो अंतिम संस्कार में शामिल हुईं, उन्होंने भी ईरान के साथ एकजुटता व्यक्त की।

महबूबा मुफ्ती ने क्या कहा?

उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा 'तेहरान से विदा लेते समय, इस गहरे दुख और शोक की घड़ी में मेरी संवेदनाएं वहां के साहसी नेतृत्व और जुझारू जनता के साथ हैं। हम हमेशा आपके साथ खड़े रहेंगे। ईरानी सरकार का हार्दिक आभार, जिन्होंने इतनी उदारता और गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया। यहां आना मेरे लिए सम्मान की बात है,'

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, इस साल 28 फरवरी को अमेरिकी इस्राइली हमलों में अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या कर दी गई। जिससे पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया। अंतिम विदाई समारोहों के लिए तेहरान में लाखों शोक संतप्त लोग एकत्रित हुए, जहां ईरानी राजनीतिक और सैन्य नेताओं ने उनकी विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। उनकी मृत्यु के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने की कसम खाई।

मुहम्मद यूनुस के खिलाफ कोर्ट में शिकायत, खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के पूर्व प्रमुख रहे मुहम्मद यूनुस के खिलाफ एक अदालत में शिकायत दर्ज कराई गई है। यूनुस पर देश में खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया गया है। खसरे से अब तक करीब साढ़े सात सौ लोगों की मौत हो चुकी है। सिराजुल इस्लाम के वकील तस्लीमा जहान ने बताया कि ढाका के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट जशिता इस्लाम ने सिराजुल इस्लाम की शिकायत दर्ज की। सिराजुल नौ महीने की बच्ची के पिता हैं, जिसकी डेंगू से मौत हो गई थी। शिकायत के अनुसार, बच्ची की मौत इसलिए हुई क्योंकि वैक्सीन की कमी के कारण उसे टीका नहीं लग पाया था और बाद में ढाका के एक सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के कारण उसे सही इलाज नहीं मिल सका। शिकायत में पूर्व मुख्य सलाहकार यूनुस पर कर्तव्य में लापरवाही, कानून का उल्लंघन और लापरवाही के कारण मौतें होने का आरोप लगाया गया है। इसमें पूर्व अंतरिम सरकार की स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहां बेगम, यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम और तत्कालीन स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक मोहम्मद अबू जाफर को सहआरोपी बनाया गया है। कोर्ट के अधिकारियों के अनुसार, जज 12 जुलाई को यह तय करेंगे कि शिकायत को स्वीकार किया जाए और आरोपी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू की जाए या नहीं। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब दशकों में बांग्लादेश में खसरे के सबसे गंभीर प्रकोप को लेकर कड़ी जांच-पड़ताल हो रही है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार सुबह खत्म हुए 24 घंटों में सात और मौतों की जानकारी दी।

नाटो की बैठक से पहले रूस का युक्रेन पर बड़ा हमला, मिसाइल–ड्रोन अटैक में सात लोगों की मौत

मॉस्को, एजेंसी। नाटो शिखर बैठक से ठीक पहले रूस ने युक्रेन की राजधानी कीव और उसके आसपास के इलाकों पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इस हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। कई रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा है और मलबे में लोगों के फंसे होने की आशंका के बीच राहत एवं बचाव अभियान जारी है।

यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने एक साथ कई तरह के हथियारों का इस्तेमाल किया। कीव के मेयर विताली क्लिचको ने बताया कि शहर के कम से कम दो जिलों में मलबा गिरने से आग लग गई और नुकसान हुआ है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी। हालांकि शुरुआती जानकारी में किसी नए बड़े जनहानि के आंकड़े जारी नहीं किए गए। इससे पहले भी पिछले सप्ताह रूस ने कीव पर बड़ा हमला किया था, जिसमें कम से कम 30 लोगों की मौत हुई थी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा था कि खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली है कि रूस एक बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस और नाटो शिखर सम्मेलन से पहले दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाना और लोगों की जान लेना है। उनके इस बयान के कुछ घंटे बाद ही कीव पर बड़ा हमला हो गया।

यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब मंगलवार से तुर्किये की राजधानी अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन शुरू होना है। सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई सदस्य देशों के नेता शामिल होंगे। माना जा रहा है कि बैठक में यूक्रेन युद्ध, यूरोप की सुरक्षा और रूस के खिलाफ आगे की रणनीति प्रमुख मुद्दे होंगे। ऐसे समय में कीव पर हमला रूस की ओर से एक रणनीतिक संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है।

रूस और यूक्रेन के बीच जंग किस दिशा में बढ़ रही?

रूस पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में अधिक से अधिक इलाकों पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। वहीं यूक्रेन भी रूस के भीतर तेल रिफाइनरी, बंदरगाहों और सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर चुका है। इससे दोनों देशों के बीच संघर्ष और अधिक व्यापक होता जा रहा है। पिछले कुछ सप्ताह में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के रणनीतिक ठिकानों को लगातार निशाना बनाया है।

चार जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच करीब 90 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई थी। रूस के विदेश मंत्रालय के अनुसार, ट्रंप ने एक बार फिर यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने में मदद की पेशकश की थी। हालांकि बातचीत के कुछ ही दिनों बाद कीव पर हुए ताजा हमले ने संकेत दिया है कि फिलहाल युद्ध थमता नहीं दिख रहा है। अब सभी की नजर नाटो शिखर सम्मेलन पर रहेगी, जहां यूक्रेन संकट को लेकर आगे की रणनीति और सहयोग पर अहम फैसले लिए जा सकते हैं।

न्यूयॉर्क के कोनी आइलैंड में अंधाधुंध फायरिंग, चार बच्चों समेत आठ घायल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में गोलीबारी की एक बड़ी घटना हुई है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रुकलिन के कोनी आइलैंड इलाके में चार जुलाई की एक पार्टी चल रही थी। इसी दौरान एक बंदूकधारी ने फायरिंग कर दी। इस घटना में चार बच्चों समेत कम से कम आठ लोग घायल हो गए। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग (NYPD) ने इसकी जानकारी दी।

सीएनएन के मुताबिक, यह घटना शनिवार रात करीब 10:35 बजे हुई। काले कपड़े और काले रंग का स्की मास्क पहने एक अज्ञात व्यक्ति वहां आया। वह सर्फ एवेन्यू के पास बाड़ के करीब पहुंचा। इसके बाद उसने घर के आंगन में कई राउंड गोलियां चलाईं। वहां एक परिवार जश्न मना रहा था। गोली चलाने के बाद हमलावर पैदल ही वहीं से फरार

हो गया। एनवाईपीडी कमिश्नर जेसिका टिश ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची। वहां आठ लोगों को गोली लगी थी। घायलों में 6, 7, 12 और 14 साल के चार लड़के शामिल हैं। इसके अलावा 21 और 25 साल की दो महिलाएं और 33 और 37 साल के दो पुरुष भी घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि 21 साल की महिला और 33 साल के पुरुष की छाती में गोली लगी है। छह साल के बच्चे के पेट में गोली लगी है। बाकी तीन बड़े लड़कों के पैर या जांघ में गोली लगी है। 21 साल की महिला की हालत गंभीर है। बाकी सात लोगों की हालत स्थिर है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने इस घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि शहर में ऐसी हिंसा की कोई जगह नहीं है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने शहर को सुरक्षित बनाने का वादा किया। अधिकारियों ने अभी तक घायलों की पहचान नहीं बताई है। हमले का कारण भी साफ नहीं है। कमिश्नर टिश ने कहा कि गोलीबारी से पहले किसी बहस का कोई संकेत नहीं मिला है। हालांकि, पिछले हफ्ते इसी ब्लॉक में गैंगवार में एक हत्या हुई थी। जांचकर्ता दोनों घटनाओं के बीच संबंध तलाश रहे हैं। मौके से एक टीईसी-9 स्टाइल की बंदूक, एक बड़ी मैगजीन और 10 खाली खोखे मिले हैं। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

ब्रुकलिन में ही हुई एक और घटना

सीएनएन के अनुसार, रविवार सुबह 4 बजे के तुरंत बाद क्राउन हाइट्स इलाके में एक 18 साल का हथियारबंद युवक पुलिस की बिना निशान वाली गाड़ी के पास आया। उसने फायरिंग कर दी, जिससे एक एनवाईपीडी जासूस को गोली लग गई। मेयर ने बताया कि गोली जासूस की बुलेटप्रूफ जैकेट के पिछले हिस्से में लगी। इससे उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई। वह अधिकारी शनिवार दोपहर से 12 घंटे की शिफ्ट पर काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि एक अन्य अधिकारी के चेहरे और कंधे पर चोटें आई हैं। मामले में आरोपी को टेजर गन से झटका देकर निहत्था कर दिया गया और उसे हिरासत में ले लिया गया है।

आतंकी रियाज भटकल का पाकिस्तान में बबलू श्रीवास्तव ने करवाया मर्डर, पूर्व आईपीएस की किताब में बड़ा दावा

मुंबई, एजेंसी। साल 2003 से साल 2008 तक देश भर में दर्जनों जगह इंडियन मुजाहिदीन ने बम धमाके करवाए थे। धमाकों से जुड़े इन सभी केसों में काफी आरोपी गिरफ्तार हुए, लेकिन इन धमकों के सरगना जिस रियाज और इकबाल भटकल ने अपने आतंकवादी संगठन को इंडियन मुजाहिदीन नाम दिया था, वो दोनों बाद में नेपाल के रास्ते पाकिस्तान भाग गए थे।

पूर्व आईपीएस अधिकारी राजेश पांडेय की किताब 'अंतहीन ' में डॉन बबलू श्रीवास्तव ने दावा किया है कि रियाज भटकल का मर्डर पाकिस्तान में हो चुका है और वह मर्डर खुद उसने अपने लोगों के जरिए करवाया। राजेश पांडेय जब बरेली के आईजी थे, तब बबलू बरेली जेल में बंद था। उसी दौरान राजेश पांडेय ने जेल में उससे पूछताछ की थी। उन्होंने अपनी इस किताब में इस बात का उल्लेख किया है। किताब में राजेश पांडेय ने लिखा है कि सीबीआई की एक टीम ने इंडोनेशिया जाकर छह नवंबर 2015 को छोटा राजन को अपनी कस्टडी में ले लिया और भारत लेकर आई। इसके बाद से वो तिहाड़ जेल में बंद है। जब छोटा राजन गिरफ्तार नहीं हुआ था, तब एक बार उसने भी दावा किया था कि रियाज भटकल का मर्डर पाकिस्तान में उसके लोगों ने करवाया। किताब में राजेश पांडेय लिखते हैं कि 1993 के बम ब्लास्ट के बाद अंडरवर्ल्ड हिंदू-मुस्लिम को आधार बनाकर जो दो फाड़ हुआ था, अब वो नदी के दो किनारे हो चुके थे।

दाऊद पाकिस्तान में पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई के कब्जे में था और उसके विरोधी हिंदू गुट के छोटा राजन, सुभाष ठाकुर, बबलू श्रीवास्तव, पीपी पाण्डेय उर्फ बंटी पांडे भारतीय जेलों में थे। पुराने मुकदमों में इन सभी को सजा हो गई। सभी आज भी आजीवन कारावास काट रहे हैं। राजेश पांडेय के मुताबिक, छोटा राजन की गिरफ्तारी, यानी 2015 के बाद मुंबई पूरी तरह से अंडरवर्ल्ड के दबाव से मुक्त हो चुकी थी।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

कांगपोकपी में हमले में महिला और बच्चा घायल, एनएच-37 पर 24 घंटे का बंद

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में लंबे समय से जारी जातीय तनाव के बीच एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। कांगपोकपी जिले के थिंगखोंगजांग (थिंगखोजांग) कुकी गांव पर हुए कथित सशस्त्र हमले में एक महिला और एक बच्चा घायल हो गए। घटना के बाद कुकी संगठनों ने सोमवार से राष्ट्रीय राजमार्ग-37 (एनएच-37) पर 24 घंटे के बंद का एलान कर दिया है। साथ ही स्वतंत्र न्यायिक जांच, दोषियों की गिरफ्तारी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग उठाई है। हालांकि, सरकार की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, रविवार शाम गांव के लोग चर्च में प्रार्थना कर रहे थे, तभी हथियारबंद हमलावरों ने गांव पर गोलीबारी की और विस्फोटक फेंके। हमले के दौरान कई घरों में आग लगाए जाने का भी दावा किया गया है। हालांकि

इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना में घायल महिला के पैर में गोली लगने की बात कही जा रही है, जबकि एक बच्चा भी घायल हुआ। दोनों को पहले असम राइफल्स के न्यू कैथेलमणबी शिविर में प्राथमिक उपचार दिया गया और बाद में इम्फाल स्थित रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आरआईएमएस) भेजा गया।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि हमले के पीछे एनएससीएन (आईएम) और जेडयूएफ-के के उग्रवादी शामिल थे, हालांकि सुरक्षा एजेंसियों की ओर से अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

घटना के बाद कुकी समुदाय के शीर्ष संगठन 'कुकी इनपी मणिपुर' (केआईएम) ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे आम नागरिकों पर सुनियोजित हमला बताया। संगठन का आरोप है कि भारी हथियारों से लैस हमलावरों ने गांव में घुसकर गोलीबारी की, घरों में आग लगाई और महिलाओं व बच्चों को निशाना बनाया, जबकि निकट ही केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का शिविर मौजूद था। संगठन ने सवाल उठाया कि सुरक्षा बलों की मौजूदगी के बावजूद हमलावर कैसे गांव में प्रवेश कर हिंसा फैलाकर आसानी से निकल गए।

केआईएम ने इस पूरे घटनाक्रम की स्वतंत्र न्यायिक जांच, सुरक्षा चूक की जवाबदेही तय करने और समयबद्ध जांच की मांग की है। स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि आसपास के कुकी-जो समुदाय के ग्रामीण जब पीड़ितों की मदद के लिए पहुंचे तो उन्हें सीआरपीएफ कर्मियों ने गांव में प्रवेश करने से रोक दिया, जिससे कुछ देर तनाव की स्थिति बन गई। इस संबंध में भी सुरक्षा बलों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

एनएच-37 पर 24 घंटे का बंद

घटना के विरोध में कुकी सीएसओ वर्किंग कमेटी (केसीडब्ल्यूसी), साउथ वेस्ट सदर हिल्स ने तत्काल प्रभाव से एनएच-37 पर 24 घंटे के पूर्ण बंद की घोषणा की है। संगठन ने कहा कि हमले के लिए जिम्मेदार लोगों की तत्काल गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच, प्रभावित परिवारों को राहत, घायलों का समुचित इलाज औरसंवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की जाए।

संगठन ने सुरक्षा व्यवस्था में कथित विफलता का आरोप लगाते हुए 86वीं बटालियन सीआरपीएफ के साथ असहयोग की भी घोषणा की है। हालांकि इन आरोपों पर सीआरपीएफ या राज्य सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

'मोटी या पतली हो जाओ', काजल अग्रवाल ने खूबसूरत दिखने के दबाव पर रखी राय, बताया पहले के मुकाबले कैसा है माहौल

काजल अग्रवाल का मानना है कि पहले के मुकाबले अब अभिनेत्रियों पर खूबसूरत दिखने का ज्यादा दबाव है। उनका मानना है कि 'ना' कहना सीखना ज्यादा जरूरी है।

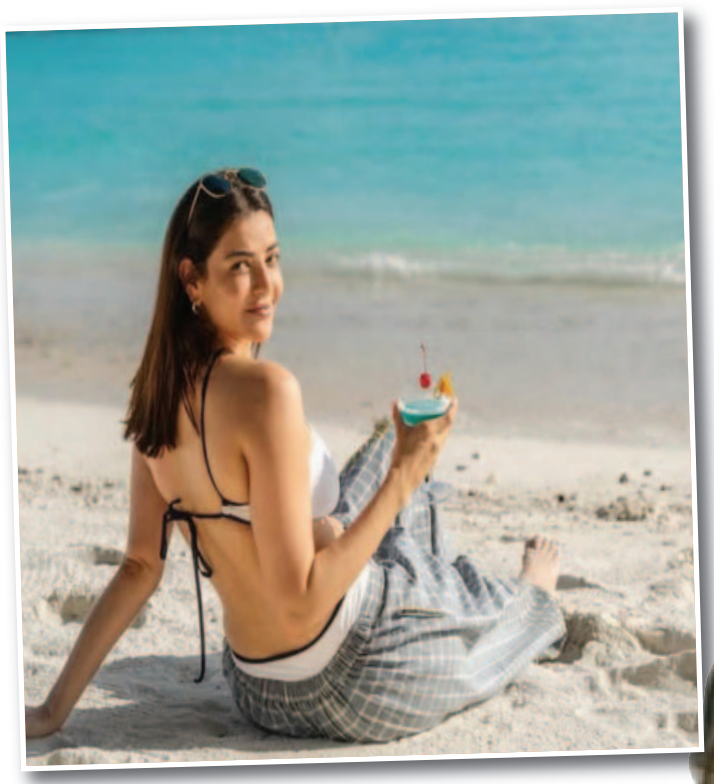

काजल अग्रवाल ने अभिनेत्रियों के परफेक्ट दिखने के दबाव को लेकर बात की है। उनका मानना है कि आज की एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में आने के लिए ज्यादा कड़ी जांच-परख का सामना करना पड़ता है। उन्होंने माना कि उन्हें उन युवा एक्ट्रेस के लिए बुरा लगता है जो इंडस्ट्री के खूबसूरती के पैमानों से जूझ रही हैं।

पहले दबाव कम था

जूम के साथ बातचीत में काजल ने खूबसूरत दिखने के दबाव को लेकर कहा 'समय बहुत अलग था। सोशल मीडिया नहीं था। बाहरी तौर पर एक्स्ट्रा जजमेंट नहीं होते थे। ऐसे कोई एयरपोर्ट लुक नहीं थे, जिनके लिए आपको सफाई देनी पड़े। आप बस जैसे हैं, वैसे ही रह सकते थे और किसी कमरे या एयरपोर्ट में आराम से जा सकते थे। पूरी तरह तैयार होकर ट्रैवल करना आसान नहीं है। शुक्र है कि उस समय मुझे इन सब चीजों का सामना नहीं करना पड़ा।'

युवा लड़कियों के लिए बुरा लगता है

काजल ने आगे कहा 'फिल्ममेकर्स की तरफ से जजमेंट जरूर आते थे, जैसे वे चाहते थे कि मैं मोटी या पतली दिखूं या कुछ और। ऐसी बातें होती थीं। मगर मुझे लगता है कि तब भी चीजें आसान थीं। तब इतना क्रूर माहौल नहीं था। इसलिए मुझे अभी की युवा लड़कियों के लिए बुरा लगता है। मुझे सच में उम्मीद है कि वे अपनी जगह बना पाएंगी।'

'ना' कहना सीखना जरूरी है

काजल ने यह भी कहा कि उनमें हमेशा उन स्थितियों से बाहर निकलने का आत्मविश्वास रहा है, जिनमें वे सहज नहीं थीं। उन्होंने कभी भी सिर्फ मौके पाने के लिए 'हां' कहने का दबाव महसूस नहीं किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर बात पर सहमत होने के बजाय 'ना' कहना सीखना कहीं ज्यादा जरूरी है।

काजल का वर्कफ्रंट

काजल अभी अपनी अपकमिंग फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। चेतन डीके के निर्देशन में बनी इस फिल्म में श्रेयस तलपड़े भी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म पेस्टिसाइड (कीटनाशक) वाली खेती और समाज पर इसके असर को दिखाती है। यह 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

'मैं हूं ना' के सेट पर शाहरुख खान क्यों हुए थे हंस-हंस कर लोट-पोट? 250 लोगों के सामने फराह ने मुरली को लगाई थी स्टंट

बॉलीवुड की मशहूर कोरियोग्राफर फराह खान हाल ही में अपने कुक दिलीप के साथ अभिनेता मुरली शर्मा के घर पहुंचीं। यहां फराह ने फिल्म 'मैं हूं ना' के सेट से जुड़े कई मजेदार किस्से सुनाए। उन्होंने बताया कि सेट पर एक स्टंट गड़बड़ हुआ था। इसे देखकर शाहरुख खान हंसते-हंसते लोट-पोट हो गए थे।

फराह ने मुरली को लगाई डांट

फिल्म में कैप्टन खान का रोल निभाने वाले मुरली ने बताया कि कैसे फराह उनकी परफॉर्मेंस से खुश नहीं थीं और उन्होंने सेट पर लगभग 250 लोगों के सामने उन्हें टोका था। उन्होंने कहा 'मेरे पहले दिन, हम सुनील शेट्टी के साथ एक सीन शूट कर रहे थे, जिसमें मैं उनका स्वागत करता हूं। माइक पर फराह कहती हैं, 'मुरली, तुम क्या कर रहे हो डार्लिंग? यह कैसी 'मकबूल' जैसी एक्टिंग है? इतना रियलिस्टिक मत करो।'

हो गया गलत

इसके बाद फराह और मुरली ने एक स्टंट के दौरान हुई गड़बड़ी को याद किया, जिसे देखकर शाहरुख खान खूब हंसे थे। मुरली ने कहा 'मुझे बस पहली मंजिल तक उड़ना था।' फराह ने आगे कहा 'उस समय, हार्नेस की क्वालिटी बहुत अच्छी नहीं थी और लोगों को ठीक से पता नहीं था कि उन्हें कैसे इस्तेमाल करना है। उन्हें बस दरवाजे को पकड़कर कार से बाहर निकलना था। लेकिन मुरली और दरवाजा दोनों ऊपर उड़ गए।'

'मैं हूं ना' की स्टारकास्ट

फिल्म 'मैं हूं ना' 2004 की हिंदी एक्शन-कॉमेडी फिल्म है, जिसे फराह खान ने डायरेक्ट किया था। इसे रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया था। फिल्म में शाहरुख खान, सुष्मिता सेन, सुनील शेट्टी, अमृता राव और जायद खान ने काम किया है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com